सावन, मास , वर्ष-10, अंक 135, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, शनिवार 03 अगस्त, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

10 वर्ष विश्वास के

Adhunik Samachar

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

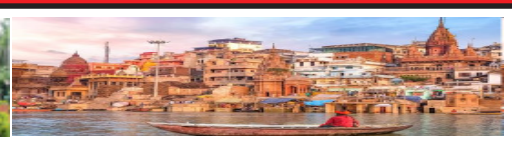

प्रदेश आस/पास

कौशल विकास प्रचार आरम्भ कार्यक्रम में विद्यार्थिय्यों ने आदर्श नागरिक बनने की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नैनी प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौशल विकास का अध्ययन करने से छात्रों को विविध

प्रकार के कौशल विकसित करने में मदद मिलती है जो न किसी एक पेशे में बल्कि विभिन्न-अन्य क्षेत्रों में भी मूल्यवान है - शशि त्रिपाठी इस कार्यक्रम में कॉलेज के अधिकारियों का एक दल उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र के बाहर प्रशिक्षण के प्रचार को लेकर एक अभियान चलाया जिसमें उन्होंने लोगों को जागरूक करने के लिए प्रॉस्पेक्टस का वितरण किया कार्यक्रम में मुख्य रूप शशि त्रिपाठी शाखा प्रबंधक मुथुदूत फिनकॉर्प रोहित पांडे मोहम्मद कौसर रोहित आदि लोग मौजूद रहे मोहम्मद कौसर एडमिशन इंचार्ज एन आई टी सी ने बताया वह शैक्षणिक सुविधाओं और प्रशिक्षण प्लेसमेंट से बहुत संतुष्ट हैं, उन्होंने घोषणा की कि एनआईटीसी प्रयागराज में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्रों में से एक है कोपा ट्रेड बैंक की की कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती में मान्य है यहाँ गुरु शिष्य परम्परा का पालन होता है एवं छात्रों का सम्मान करते हुये कहा कि यह केंद्र के लिये गौरव की बात है केंद्र के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें।

नटवा ओवरब्रिज के नीचे पानी निकासी हेतु जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। नटवा तिराहे से शास्त्री ब्रिज के मध्य रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे बरसात के दिनो में पानी भरने से आवागमन बाधित होता है। रेलवे आवेर ब्रिज के नीचे के समुचित निकासी की व्यवस्था के लिये जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से आज अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल के साथ मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी द्वारा पानी निकासी के लिये बनाये जा रहे ड्रेनेज को दिखाते हुये जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य में तेजी लाते हुये यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाए कि रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे पानी की निकासी हो सकें ताकि आवागमन बाधित न हों।

थाना बभनी पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन सोनभद्र व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के आदेश के क्रम में थाना बभनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-70/2024 धारा- 376/506 भादवि व 3/4 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त संदीप कुमार पुत्र शोभनाथ हलुवाई निवासी ग्राम सेन्दुर थाना बभनी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष को आज दिनांक 02.08.2024 को गिरफ्तारी कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक सदानन्द राय थाना बभनी सोनभद्र। 2. का0 जितेन्द्र कुमार थाना बभनी सोनभद्र।

डेढ़ घंटे की बारिश में शहर का बड़ा हिस्सा बना तालाब, हर तरफ जलभराव, घरों में घुसा पानी

(आधुकिन समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। करीब डेढ़ घंटे तक हुई तेज बारिश में नाला और सीवर लाइन की सफाई के नगर निगम प्रशासन के सारे दावे फेल हो गए। बुधवार को बारिश से शहर के ज्यादातर हिस्से जलमग्न हो गए। सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। घरों के साथ थाना, कॉलेज, अस्पताल परिसर में भी जलभराव हो गया। इसकी वजह से आवागमन के साथ ज्यादातर गतिविधियां ठप हो गईं। हर बार की तरह मेडिकल कॉलेज चौराहा स्थित सीवर लाइन का ढक्कन फव्वारे में तब्दील हो गया। जार्जटाउन की सभी सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। लिंडिल रोड पर तीन कारें चलते-चलते बंद हो गई। कार सवार गाड़ी खड़ी करके किसी तरह से निकल पाए। सीएमपी डिग्री कॉलेज और जार्जटाउन थाने में पानी भर गया। लोग जहां थे, वहीं फंसे रहे। चौक और घंटाघर की सड़क पर भी पानी भर गया। दुकानों में पानी घुसने से सामान तैरने लगे। दुकानदार गुलाब का कहना था कि नाला जाम होने से पानी नहीं निकल रहा। अल्लापुर के डंडियां, तुलसी पार्क, पटेल चौराहा समेत कई जगहों पर सड़कों पर जलभराव हो गया। पटेल चौराहा स्थित घरों से चार बजे के बाद कुछ पानी कम हुआ लेकिन सड़कों पर पानी भरा रहा। बजरंग चौराहा, पानी की टंकी, बैंक रोड, सर्वोदय नगर आदि क्षेत्रों में यही दिक्कत रही। राजेश सिन्हा, मंजुषा और ईशान तिवारी ने बताया कि नाला सफाई के लिए तोड़ी गई पुलिया ठीक नहीं कराई गई। बजरंग चौराहा, पूरा पड़ाइन, पंजाबी कॉलोनी में सड़कें तालाब में तब्दील हो गई और लोगों के घरों में पानी घुस गया। राजरूपपुर के जाफरी कॉलोनी की तो स्थिति बहुत खराब रही। सड़कों पर आधा मंजिल तक पानी भर गया। इसकी वजह से लोग घरों में कैद हो रहे। पार्षद मिथिलेश सिंह का कहना है सड़क और नालियों के निर्माण के लिए कई बार कहा गया लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

शायर रिंद बनारसी को साहित्यकारों ने किया याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में दो अगस्त पुण्य तिथि पर शायर रिंद बनारसी को साहित्यकारों ने कचहरी परिसर सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में आयोजन कर याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र संपादक असुविधा पत्रिका व गीतकार जगदीश पंथी मुख्य अतिथि ने रिंद साहब के चित्र पर माल्यार्पण व शमां रौशन कर विधिवत शुभारंभ किया। रिंद बनारसी के पुत्र शायर जुल्फिकार हैदर ने नम आंखों से पुष्प अर्पित किए और उनकी स्मृतियों को साझा करते हुए भावुक हो गए। दिवाकर द्विवेदी मेघ, प्रभात सिंह चंदेल, राकेश शरण मिस्र नोटरी अधिवक्ता, जयराम सोनी, कवयित्री कौशल्या चौहान, धर्मेश चौहान, दयानंद दयालू ,दिलीप सिंह, दीपक, मदन चौबे, सुधाकर स्वदेशप्रेम ने उनके कृतित्व व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए सजल नेत्रों से उनकी ग़ज़लों पर प्रकाश डाला। गीतकार जगदीश पंथी ने सच्चे आम आदमी से जुड़े गजल गो रिंद साहब की शायरी जो सीधे दिल में उतर जाती थी बताया।संयोजन व संचालन कर रहे निदेशक शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र प्रदुमन-त्रिपाठी एडवोकेट ने कविता,,,रिंद वंशज मेरे पूज्य को है नमन, शब्द सुमनों से मैं कर रहा हूं वंदन। पुण्य तिथि पर समर्पित है श्रद्धांजली, तुम खुदा रूप तेरा तुझको है अर्पण। सुनाकर भाव विभोर होकर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित किए। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र ने रिंद साहब को नमन करते हुए उनके शायरी में जिये जीवन यथार्थ आम आदमी के जीवन से जुड़ी सामाजिक सरोकारों से दो चार करती धारा के विपरीत गजल नज़्म जो रूमानी अदाओं में भी एक संदेश देती थी सवाल करती थी? उनका जन्म बनारस जरूर रहा लेकिन कर्म भूमि सोनभद्र रही लाजवाब शायर को सलाम किया। इस अवसर पर रिषभ, शिवमोचन, फारुख अली हाशमी, गुलाम हुसैन, ठाकुर कुशवाहा, शिखा, गोपाल, देवानंद पांडेय एडवोकेट, जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट आदि रहे।

नहीं बना डेंगू वार्ड, जान पर भारी न पड़ जाए अव्यवस्था का डंक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बारिश के बाद मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। डेंगू का संक्रमण रोकने के लिए विशेष निर्देश जारी हैं, बावजूद स्वास्थ्य महकमा गंभीर नहीं है। हाल यह है कि अब तक डेंगू वार्ड भी सक्रिय नहीं हो पाए हैं।जिला अस्पताल के जिस वार्ड में डेंगू के मरीजों को रखा जाता है, वहां अन्य बीमारियों के मरीज भर्ती हो रहे हैं। इसे अभी भी हीट स्ट्रोक व लू वार्ड के रूप में ही आरक्षित किया गया है। ग्रामीण सीएचसी-पीएचसी का हाल भी कुछ ऐसा ही है।हालांकि स्वास्थ्य विभाग के दावों में सारी तैयारी पूरी है। अब तक एक भी मरीज न मिलने की दलील देते हुए जिम्मेदारी सब ठीक बता रहे हैं। मच्छरजनित बीमारियों के लिहाज से जिला अति संवेदनशील है।खासतौर से म्योरपुर, बभनी, दुद्धी व चोपन ब्लॉक में डेंगू के मरीज अधिक मिलते हैं। म्योरपुर का रेणुकूट, पिपरी, अनपरा व उसके आसपास का क्षेत्र सबसे ज्यादा डेंगू से प्रभावित होता है। यहां हर साल मरीज बड़ी संख्या में मिलते हैं। पिछले साल भी 50 से अधिक डेंगू मरीज मिले थे। हाल यह था कि नजदीकी अस्पतालों में उन्हें भर्ती करने के लिए जगह नहीं थी। म्योरपुर सीएचसी में आरक्षित पांच बेडों पर कई दिन एक साथ दो-दो मरीजों को भी रखना पड़ा था। इस बार भी बारिश के बाद मच्छरों का प्रकोप तेज हो गया है। बुखार और वायरल बीमारियों के मरीज से अस्पताल पटे पड़े हैं। बावजूद डेंगू को लेकर जिम्मेदार संजीदा नहीं है। यह हाल तब है, जबकि पिछले माह दो संदिग्ध भी मिल चुके हैं। अस्पतालों में डेंगू के लिए न अलग से वार्ड बन पाए हैं और न ही अन्य सुविधाएं ही की गई है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत एंटी लार्वा का छिड़काव कराने की दलील दी जा रही है, मगर यह भी पर्याप्त नहीं है। मरीजों की भीड़ से जिला अस्पताल के वार्ड फुल मौसम में उतार-चढ़ाव से मौसमी बीमारियां भी तेजी से पांव पसार रही हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ लग रही है। मंगलवार को ओपीडी में 900 से अधिक मरीज पहुंचे थे। रजिस्ट्रेशन और दवा काउंटर पर मरीजों की लंबी कतार लगी रही। ज्यादातर मरीज बुखार, पेट दर्द, बदन दर्द, उल्टी-दस्त से जुड़े हुए हैं। सीएमएस डॉ. बी. सागर ने बताया कि मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

देश/विदेश

भारत

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका से रिहा किए जाएंगे 20 मछुआरे, भारतीय उच्चायोग ने रिहाई को लेकर दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कई महीनों के बाद श्रीलंका सरकार 20 भारतीय मछुआरों को रिहा करने जा रही

है। श्रीलंका सरकार ने गुरुवार को पुष्टि की है कि उन्हें अगले कुछ दिनों में रिहा कर दिया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग और जाफना में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गोएसएल अधिकारियों के साथ मिलकर 20 भारतीय मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित का कई महीनों के बाद श्रीलंका सरकार 20 भारतीय मछुआरों को रिहा करने जा रही है। श्रीलंका सरकार ने गुरुवार को पुष्टि की है कि उन्हें अगले कुछ दिनों में रिहा कर दिया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग और जाफना में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गोएसएल अधिकारियों के साथ मिलकर 20 भारतीय मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित की डीएचसी डॉ. सत्यंजल पांडे और अन्य अधिकारियों ने आज मछुआरों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और एक दिन के भीतर उन्हें वापस भेजने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में तमिलनाडु में कई मछुआरे मछली पकड़ने निकले थे। गलती से भारतीय सीमा पार करने के कारण श्रीलंकाई नौसेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पनून का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पनून की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा दरअसल, गुरुपतवंत पनून की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पनून की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है।

वायनाड में मरने वालों की संख्या 308 हुई भारी बारिश से केरल के सात जिलों में स्कूल बंद, अब तक का अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केरल में भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्तव्यस्त हो रखा है। केरल के वायनाड में तो तबाही ही आ चुकी है। यहां

भूस्खलन के चलते 308 लोगों को अब तक जान जा चुकी है। आज बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज वहीं, बारिश के पूर्वानुमानों के मद्देनजर त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में स्कूल, कॉलेज और ट्यूशन सेंटर सहित सभी शैक्षणिक संस्थान आज यानी 2 अगस्त को बंद रहेंगे। छुट्टी की घोषणा उस समय हुई जब केरल के मौसम विभाग ने शनिवार तक वायनाड जिले में बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। केरल में भारी बारिश के बाद लोग परेशानियों का सामना कर रहे हैं। वायनाड में तो तबाही ही आ चुकी है। यहां भूस्खलन के चलते 308 लोगों को अब तक जान जा चुकी है। वहीं बारिश के पूर्वानुमानों के मद्देनजर त्रिशूर मलप्पुरम कोझिकोड वायनाड कन्नूर और कासरगोड जिलों में स्कूल कॉलेज और ट्यूशन सेंटर सहित सभी शैक्षणिक संस्थान आज यानी 2 अगस्त को बंद रहेंगे। वायनाड पहले ही बड़े पैमाने पर भूस्खलन की मार झेल रहा है। 2 भूस्खलन के चलते अब तक 308 लोगों की मौत हो गई है। त्रिशूर में भारी बारिश और जलभराव के कारण सामान्य जीवन प्रभावित है और स्कूलों में छुट्टी का आदेश दिया गया है।केरल में कई स्कूल राहत शिविरों के रूप में काम कर रहे हैं। मौसम विभाग की ताजा जानकारी के अनुसार, केरल में 5 अगस्त तक भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है। वायनाड में भूस्खलन के तीन दिन बाद बचाव दल ढही इमारतों में फंसे लोगों को बचाने का अभियान आज भी चला रहा है।बीते दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के चूरलमाला में भूस्खलन प्रभावित हिस्से का दौरा किया। मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह वायनाड के लिए एक भयानक त्रासदी है और यहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। मृतकों की संख्या अभी बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि कई लोग अभी भी लापता हैं। वहीं, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि मरने वालों की संख्या अब 308 हो गई है। वायनाड जिला प्रशासन के अनुसार, मृतकों में 27 बच्चे और 76 महिलाएं शामिल हैं और ज्यादातर मुंडक्कई और चूरलमाला के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से हैं।

दिल्ली में राज्यपालों के सम्मेलन की आज से शुरुआत राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी अध्यक्षत पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को शुरू हो रहे राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी। इस सम्मेलन में तीन नए आपराधिक कानूनों, उच्च शिक्षा में सुधारों और

आदिवासी क्षेत्रों में विकास पर चर्चा होगी। पीएम मोदी होंगे शामिल अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु की अध्यक्षता में होने वाली राज्यपालों का पहला सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कुछ केंद्रीय मंत्री, पीएमओ के वरिष्ठ अफसर, कैबिनेट सचिव व अन्य केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को शुरू हो रहे राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु की अध्यक्षता में होने वाली राज्यपालों का पहला सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ केंद्रीय मंत्री पीएमओ के वरिष्ठ अफसर कैबिनेट सचिव व अन्य केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा होगी। राज्यपालों के इस सम्मेलन के एजेंडे में तीन आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन; उच्च शिक्षा में सुधार एवं विश्वविद्यालयों की मान्यता; आदिवासी क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे फोकस क्षेत्रों का विकास; 'माईभारत', 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'एक वृक्ष मां के नाम' और प्राकृतिक खेती जैसे अभियानों में राज्यपालों की भूमिका; जनता से संपर्क बढ़ाना; और राज्य में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में राज्यपालों की भूमिका जैसे विषय शामिल हैं।

औपचारिक नहीं है समानता का अधिकार', 140 पन्नों के अपने फैसले में सीजेआई चंद्रचूड़ ने और क्या कुछ कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि समानता का मौलिक अधिकार औपचारिक समानता नहीं बल्कि तथ्यात्मक समानता की

गारंटी देता है और अगर विभिन्न व्यक्तियों की स्थिति समान नहीं है, तो वर्गीकरण स्वीकार्य है प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बहुमत का अपना 140 पृष्ठों का फैसला लिखते हुए कहा कि संविधान वैध वर्गीकरण की अनुमति देता है, बशर्ते दो शर्तें पूरी हों- पहली यह कि ऐसा स्पष्ट अंतर होना चाहिए जो समूह में शामिल व्यक्तियों को समूह के अन्य व्यक्तियों से अलग करता हो। स्पष्ट अंतर का अर्थ है ऐसा अंतर जिसे समझा जा सके। दूसरी- उस अंतर का कानून के जरिये हासिल किए जाने वाले उद्देश्य से तर्कसंगत संबंध होना चाहिए, अर्थात वर्गीकरण के आधार का वर्गीकरण के उद्देश्य के साथ संबंध होना चाहिए। फैसले में इस बात पर विचार किया गया कि क्या उप वर्गीकरण का सिद्धांत अनुच्छेद-14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद-14 औपचारिक समानता की नहीं, बल्कि तथ्यात्मक समानता की गारंटी देता है। इस प्रकार अगर किसी व्यक्ति की कानून के उद्देश्य के संदर्भ में स्थिति समान नहीं है, तो वर्गीकरण की अनुमति है। वर्गीकरण का यही तर्क उपवर्गीकरण पर भी समान रूप से लागू होता है।

कौन हैं साधना सक्सेना नायर जो बनीं सेना में चिकित्सा सेवा महानिदेशक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर ने गुरुवार को सेना चिकित्सा सेवा के महानिदेशक का पदभार संभाला। वह इस पद पर नियुक्त होने वाली

पहली महिला अधिकारी हैं।रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लेफ्टिनेंट जनरल नायर ने पुणे स्थित सशस्त्र बल चिकित्सा महाविद्यालय से बेहतर शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ सनतक किया और वे दिसंबर 1985 में सेना चिकित्सा कोर में नियुक्त हुईं। इसी के साथ उन्होंने नई दिल्ली में स्थित एम्स अस्पताल में चिकित्सा सूचना विज्ञान में दो साल का प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया है। इसमें बताया गया कि उन्हें इजरायली रक्षा बलों के साथ रासायनिक, जैविक, रेडियोलाजिकल एवं परमाणु युद्ध में तथा स्पीज में स्विस सशस्त्र बलों के साथ सैन्य चिकित्सा एथिक्स में प्रशिक्षण हासिल है। लेफ्टिनेंट जनरल नायर भारतीय वायु सेना (आइएएफ) की पश्चिमी वायु कमान और प्रशिक्षण कमान की पहली महिला प्रधान चिकित्सा अधिकारी भी हैं बयान में बताया गया कि लेफ्टिनेंट जनरल नायर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चिकित्सा शिक्षा का मसौदा तैयार करने के लिए डॉ. कस्तूरीरंगन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी नामित किया गया था। नायर को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा एयर आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी वायु कमान और चीफ आफ एयर स्टाफ कमेंडेशन के साथ-साथ विशिष्ट सेवा पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है।

दुबई से भारत के लिए 31 जुलाई को एज्मवू की कई उड़ानें हुई थीं रद, अब कंपनी ने बताया इसके पीछे का कारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और दुबई के बीच 31 जुलाई को स्पाइसजेट की कई उड़ानें प्रभावित रहीं। कंपनी के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि दुबई से भारत के लिए कुछ उड़ानें

परिचालन कारणों से रद कर दी गईं। उन्होंने बताया कि उड़ानें रद होने के बाद इससे कई यात्री प्रभावित हुए। हालांकि, उन्हें बाद की उड़ानों में बुकिंग दे दी गई। कई यात्रियों को होटल में ठहरने की व्यवस्था भी की गई। कंपनी ने एक बयान में यात्रियों की हुई परेशानी के लिए खेद जताया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि दुबई से हमारी सभी निर्धारित उड़ानें अब योजना के अनुसार चल रही हैं। हमें अपने यात्रियों को हुई किसी भी असुविधा के लिए खेद है। वहीं, बुधवार शाम को तेज हवाओं के साथ हुई वर्षा के कारण अलग-अलग शहरों से नई दिल्ली आ रही उड़ानों को जयपुर व लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। देर रात तक 10 उड़ानों को डायवर्ट किया जा चुका था। इनमें पुणे से दिल्ली आ रही विस्तारा की उड़ान, इंडिगो की चंडीगढ़ से दिल्ली, हुबली से दिल्ली सहित अन्य उड़ानें शामिल थीं। 10 उड़ानों में दो को लखनऊ और शेष को जयपुर डायवर्ट किया गया। बाद में मौसम सही होने पर सभी उड़ानें दिल्ली पहुंचीं।

विश्वविद्यालयों को भरनी होगी सभी खाली सीटें, अंतिम चरण के काउंसलिंग के बाद भी छात्रों को मिलेंगे मौके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विश्वविद्यालयों में सीयूइटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट) के जरिए प्रवेश की प्रक्रिया

शुरू होने के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित सीयूईटी के जरिए प्रवेश देने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया है, कि वह प्रवेश के दौरान सनतक और परासनतक कोर्सों से जुड़ी एक भी सीट खाली न छोड़ें। यह संसाधनों की बर्बादी है, साथ ही उन छात्रों को उच्च शिक्षा से वंचित करना भी है, जो उन संस्थानों के साथ जुड़कर पढ़ना चाहते है यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने गुरुवार को केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित दूसरे सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश को लेकर एक नई एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी किया है, जिसमें साफ तौर पर यह कहा है कि सीयूइटी के जरिए प्रवेश के लिए वैसे तो तीन से चार चरणों में काउंसलिंग आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य सभी कोर्सों की सारी सीटें भरी जा सकें। ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित सीयूईटी के जरिए प्रवेश देने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया है कि वह प्रवेश के दौरान सनतक और परासनतक कोर्सों से जुड़ी एक भी सीट खाली न छोड़ें।यूजीसी चेयरमैन ने कहा कि किसी कोर्स की सीटें खाली रह जाती हैतो सीयूइटी में दूसरे कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को नियमों में ढील देकर प्रवेश का मौका दिया जाए।उन्होंने कहा कि यदि इसके बाद भी किसी कोर्स की सीटें खाली रह जाती है, तो सीयूइटी में दूसरे कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को नियमों में ढील देकर प्रवेश का मौका दिया जाए। इस व्यवस्था के बाद भी यदि सीटें खाली रह जाती है, तो विश्वविद्यालयों उन्हें भरने के लिए नए सिरे से विश्वविद्यालय स्तर पर फिर से प्रवेश परीक्षा आयोजित कर सकता है। ताकि उन छात्रों को मौका मिल सके, जो किन्ही कारणों से सीयूइटी में शामिल नहीं हो पाए थे। यूजीसी ने चेयरमैन ने विश्वविद्यालयों से परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ करने और आरक्षण नियमों का पालन करने की सलाह दी है। यूजीसी चेयरमैन ने विश्वविद्यालयों को यह निर्देश ऐसे समय दिया है, जब देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान इन संस्थानों में हर साल अलग-अलग कोर्सों की काफी सीटें दाखिला न लेने के चलते खाली रह जाती है। यूजीसी चेयरमैन का मानना है कि हमें इन्हें भरने की हर संभव कोशिश करनी चाहिए।

देशभर के अदालतों में जजों के 5597 पद खाली, कानून मंत्री ने राज्यसभा में दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि देश के विभिनन उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 359 पद रिक्त हैं। एक लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि देश भर में जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में 5238 पद खाली हैं। मेघवाल ने कहा कि मौजूदा रिक्तियों को शीघ्र भरने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जिला अदालतों में रिक्त पदों को भरना उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है।

एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मेघवाल ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सवीच्च न्यायालय कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित 24 प्रस्ताव प्रसंस्करण के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने आगे कहा कि 25 जुलाई 2024 तक, सवीच्च न्यायालय 34 न्यायाधीशों (सीजेआई सहित) की अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा है। जहां तक उच्च न्यायालयों का सवाल है, स्वीकृत 1114 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले 755 न्यायाधीश काम कर रहे हैं और विभिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के 359 पद रिक्त हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए 205 प्रस्ताव सरकार और सवीच्च न्यायालय कॉलेजियम के बीच प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने दाखिल की पहली चार्जशीट, 13 आरोपियों के नाम; अब तक कुल 40 की गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो, एँघ् ने अपनी पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी ने इसमें 13 लोगों को आरोपी बनाया है। सीबीआई की ओर से जमा किए गए चार्जशीट में नीतीश कुमार, अमित आनंद, सिकंदर यादवेंदु, आशुतोष कुमार-1, रोशन कुमार, मनीष प्रकाश, आशुतोष कुमार-2 को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा अखिलेश कुमार, अवधेश कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, शिवनंदन कुमार और आयुष राज के नाम भी आरोपियों की लिस्ट में शामिल है। सीबीआई ने चार्जशीट में बताया कि उसने अब तक इस मामले में कुल 40 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 15 को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया है और 58 स्थानों पर तलाशी ली है।

भूस्खलन पर वैज्ञानिक रख सकते हैं अपनी राय, केरल सरकार ने बदला पुराना फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केरल सरकार ने गुरुवार को राज्य के वैज्ञानिक समुदाय से अनुरोध किया था कि वे वायनाड भूस्खलन पर अपनी राय और

अध्ययन रिपोर्ट मीडिया के साथ साझा न करें। राज्य राहत आयुक्त और आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव टीकू बिस्वाल ने एक आदेश में केरल के सभी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों को वायनाड में मेप्पाडी पंचायत का दौरा न करने का निर्देश दिया, जिसे आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है।राज्य और अन्य जगहों के वैज्ञानिकों ने इस आपदा के लिए वन क्षेत्र में कमी, नाजुक इलाके में खनन और जलवायु परिवर्तन के घातक मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि कुछ देर बाद ही केरल सरकार ने अपना ये आदेश वापस ले लिया है। राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा, इस फैसले के पीछे वैज्ञानिक संस्थानों से संबंधित व्यक्तियों को हतोत्साहित करना नहीं था। यह जरूरी है कि मौसम परिवर्तन और मौजूद परिस्थितियों पर जानकारी इकट्ठा करने के लिए वैज्ञानिकों की जरूरत है। लेकिन, इस समय सरकार का पूरा ध्यान राहत-बचाव कार्य पर है। यह महत्वपूर्ण है कि बचाव राहत और पुनर्वास पर तत्काल ध्यान न खोया जाए और राज्य सरकार के बयानों या राय की गलत व्याख्या की जाए। केरल के भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार तक वायनाड जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। केरल की निदेशक नीता के गोपाल ने कहा कि शनिवार को बारिश की आशंका है। हमने वायनाड सहित केरल के 4 उत्तरी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दक्षिण में पठानमथिट्टा तक, हमने येलो अलर्ट भी जारी किया है।

भारत ने मालदीव को दी बड़ी राहत, दो बंदरगाहों से आवश्यक वस्तुओं के निर्यात करने की दी अनुमति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मालदीव के साथ नवंबर से जारी रिश्तों में खटास के बाद अब मुइज्जू सरकार को भारत ने बड़ी राहत दी है। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए मालदीव को दो अतिरिक्त बंदरगाहों से आवश्यक वस्तुओं के निर्यात करने की अनुमति दे दी है। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वित्तीय वर्ष के दौरान कांडला और विशाखापत्तनम बंदरगाहों से मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की अनुमति दी गई है। इन दो बंदरगाहों के साथ मालदीव निर्यात होने वाली वस्तुओं के लिए उपयोग होने वाले बंदरगाहों की संख्या अब छह हो गई है। मालूम हो कि दोनों देशों के व्यापार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 973.37 मिलियन अमरीकी डॉलर से मामूली रूप से बढ़कर 2023-24 में 978.56 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

मिर्ज़ापुर

बगैर आराजी संख्या के एग्रीमेंट कराए दुकानदारों को दुकान खाली करने की नोटिस आई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

राजगढ़/मिर्जापुर। राजगढ़ क्षेत्र के ग्राम नदिहार में स्थित किसान इंटर कालेज के प्रबंधक के जाल में की दुकानदार फंस चुके है,इसमें गलती खुद दुकानदार की भी है। किसान इंटर कालेज के प्रबंधक प्रमोद कुमार सिंह ने किसान महाविद्यालय की जमीन को अपनी जमीन बताकर दुकानों का निर्माण कराया और इस निर्माण के लिए प्रत्येक दुकानदारों से 5-5 लाख रूपये भी लिए,इस पैसे को? उन्होंने कालेज के अधीकृत खाते मे? जमा नहीं किया। जो एग्रीमेंट इन्होंने किया है उसमें आराजी संख्या ही नहीं है और एग्रीमेंट 29 साल 11 महीने का किया गया है जबकि कालेज प्रबंध समिति का चुनाव हर 5 साल पर होता है। प्रबंधक पर मुकदमा भी दर्ज हुआ है और चार्जशीट भी कोर्ट में भेज दी गयी है। अब सभी दुकानदारों को कोर्ट से नोटिस आया कि दुकान व जमीन एक महीने के अंदर खाली किया जाय अन्यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इससे सभी दुकानदारों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक तरफ 5 लाख जो प्रबंधक ने लिया है, दुसरी तरफ दुकान को बनवाने में जो खर्च लगा हो और अब इस दुकान से भी हाथ धोना पड़ेगा।

विषाक्त पदार्थ के सेवन से अधेड़ गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

राजगढ़। थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति नें पारिवारिक कलह के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। आनन फानन में उसे परिजनों नें राजगढ सीएचसी में भर्ती कराया जहाँ डाक्टरों के द्वारा इलाज के बाद घर भेज दिया गया था। जानकारी के अनुसार राजगढ थाना क्षेत्र के कूड़ी गाँव निवासी पप्पू पुत्र राममूरत उम्र लगभग 40 वर्ष अपनीं पतनें को काम पर जानें से मना किया था बावजूद पत्नी काम पर चली गई बस इसी बात को लेकर अधेड़ व्यक्ति ने घर में रखे कीटनासक को पी लिया। हालत गंभीर देख परिजनों ने राजगढ सीएचसी पहुँचाया जहाँ इमर्जेसी ड्यूटी में तैनात डाक्टर संतलाल व फार्मासिस्ट बालकुमार पटेल ने प्राथमिक दवा इलाज किया गया जहाँ मरीज की हालत स्थिर बनीं हुई है। दूसरे दिन अचानक तबियत बिगड़ी तो घर के लोग सीएचसी पहुंचे जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

छात्र नौजवान पीडीए जागरूक अभियान के प्रभारी बने मन्नू पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के अनुमति प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के दिशा निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यकारिणी में पदाधिकारी को छात्र नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के अवलोकन में 7 पदाधिकारियों को चिन्हित किया गया है जिसमे झांसी चित्रकूट ललितपुर जालौन बांदा हमीरपुर महोबा के पदाधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए छात्र

नौजवान पड़ा जागरूकता अभियान में विशेष योगदान करने को दिशा निर्देशित किया गया। वहीं समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष रामकरन निर्माल के मार्गदर्शन पर जनपद सोनभद्र के अभिषेक उर्फ मनु पांडेय महासचिव को नामित किया गया है जिससे समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दिए।

ब्लॉक प्रमुख ने नि:शुल्क कोचिंग चलाकर रखी बच्चों के भविष्य की नींव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

राजगढ़। क्षेत्र के युवाओं को अब अपने ही घर के पास उच्च शिक्षा के प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने योग्य तैयार किया जाएगा। ब्लॉक प्रमुख गजेन्द्र प्रताप सिंह के सकारात्मक सोच एवं प्रयासों के बलबूते यह उम्मीद अब दिखाई दे रही है। जहां पगडंडियों से चलकर कोसों दूर अपनी प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करना ही उपलब्धि मानी जाती थी और उच्च शिक्षा का सपना देखना टेढ़ी खीर समझा जाता था ऐसे छेत्र में आधुनिक शिक्षा एवम तकनीकी जानकारी का मिलना नामुमकिन सा लगता था लेकिन राजगढ़ क्षेत्र के युवा ब्लॉक प्रमुख गजेन्द्र प्रताप सिंह ने अप्रत्याशित पहल करते हुए निःशुल्क कोचिंग सेंटर संचालित करने के लिए कदम बढ़ाया है जहां मडिहान, कलवारी, पचोखरा, भावा, राजगढ़ सहित अन्य जगहों के छात्रों को आई ए एस, पी सी एस, पीसीएस जे, एवं ए पी ओ जैसी बड़ी सरकारी नौकरियां हासिल कर घर परिवार सहित समाज को बदलने व सही दिशा दिखाने का काम कर सकेंगे। दिल्ली एवं लखनऊ से अनुभव प्राप्त योग्य शिक्षकों का मार्गदर्शन लेकर बच्चों को कामयाबी हासिल करने में मदद मिलेगी। जहां शहरों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए अत्यधिक धन की आवश्यकता होती थी तथा संसाधनों एवं रहने खाने सहित तमाम बाधाओं का सामना करना पड़ता था। ऐसे में युवा ब्लॉक प्रमुख गजेंद्र प्रताप सिंह ने क्षेत्र के बच्चों को तथा उन अभिभावकों के लिए एक बहुत बड़ा कदम बढ़ाया है। निःशुल्क कोचिंग सेंटर के माध्यम से देश के प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने योग्य तैयार किया जाएगा जहां अपनी प्रतिभा एवं बौद्धिक क्षमता के अनुसार छात्र अपनी सफलता के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। ब्लाक प्रमुख के इस प्रयास को मानवाधिकार परिषद इकाई राजगढ़ ने स्वागत किया है।

वहन सीखने के दौरान छात्रों को कुचला एक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के उरमौरा स्थित डायट परिसर में खेल सीखने का कार्य कर रही थी इसी बीच खेल रही छात्राओं के ऊपर कार चढ़ा दिया जिससे दोनों घायल

रहे छात्राओं पर कर ट्रेनिंग के दौरान कर सवार ने छात्राओं के ऊपर चढ़ाया 17 वर्षिय एक छात्रा की मौत व दूसरा घायल 13 वर्षिय छात्रा को कराया गया जिला अस्पताल में भर्ती। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर स्थित एक प्राइवेट विद्यालय की खो -खो खिलाड़ी प्रतिदिन डायट परिसर में प्रेक्टिस करने जाती थी इसी तरह गुरुवार को भी प्रेक्टिस करने पहुंची जहां के कैंपस के किसी कर्मचारी शिक्षिका द्वारा मारुति कार हो गई आसपास के लोगों द्वारा आनन फानन- में जिला अस्पताल उपचार के लिए पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने 17 वर्षी अनुराधा पुत्र राजेश पटेल हर्ष नगर निवासी को मृत्यु घोषित कर दिया तो वही घायल ज्ञानवी 13 वर्षी पिता सुनील सिंह प्रभा पुरम कॉलोनी निवासी को गंभीर चोटे देखते हुए चिकित्सकों द्वारा उपचार जारी उधर पुलिस द्वारा परिजनों को सूचित कर मामले से अवगत कराते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटे।

सोनभद्र आगमन पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति का हिंदुआरी में डिग्री कालेज के प्रन्धको ने किया जोरदार स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति के सोनभद्र आगमन पर हिन्दुआरी तिराहे पर डॉ प्रसनन पटेल प्रबन्ध निदेशक जे एस पी महाविद्यालय कसया कला सोनभद्र व विंध्यकन्या पीजी कॉलेज के प्रन्धक अजय सिंह ,सुधिर महिला महाविद्यालय के प्रबंधक सुधिर मिश्रा के द्वारा माल्यार्पण पुष्प गुच्छा व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया जिसमें कार्यालय अधीक्षक जयप्रकाश वर्मा जेएसपी महाविद्यालय व विंध्यकन्या पीजी कॉलेज के अनुग्रह जी के साथ सोनभद्र के लगभग कालेजो के प्रान्धक लोग उपस्थित रहे।

कुएं में फिसल कर गिरे अधेड़ की हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। घोरावल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम घर से पास में

स्थित कुएं में 60 वर्षिय अधेड़ की गिरकर हुई मौत परिजनों में मचा कोहराम।जानकारी के अनुसार लाल धारी उम्र 60 पिता स्व जोधन निवासी मुसर धारा थाना घोरावल कल शाम को घर के पास में स्थित कुएं पर बैठे थे की अचानक कुएं में गिर गए काफी खोज बिन के बाद पता चला तो परिजनों द्वारा दवा इलाज के लिए घोरावल सीएससी लाया गया जहां चिकित्सकों ने निमृत घोषित कर दिया।

सभी की सुरक्षा एवं सुविधा प्रमुख उद्देश्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रेणुसागर। पावर डिवीजन स्थित कोल गेट ट्रक पार्किंग एरिया में ट्रक चालकों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिनांक 01.08.24 को यूनिट हेड श्री आर पी सिंह द्वारा चालकों के उपस्थिति में फीता काट कर आराम कक्ष का उद्घाटन किया गया। यूनिट हेड ने चालकों को समझाते हुए कहा कि रेणुपावर प्रबंधन ने आप सभी के सुरक्षा का सदैव ध्यान रखा है, और यह आराम कक्ष आप सभी के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें बैठने, सोने, सनन इत्यादि की पूरी व्यवस्था है। आराम कक्ष होने से चालकों में बहुत ही प्रसनन्ता है और इसकी भूरि भूरि प्रशंसा कर रहे है। इस अवसर पर एच आर हेड श्री शैलेश सिंह ने चालकों से कहा की जिस प्रकार आप लोग परिश्रम करते है ,इसके लिए आराम कक्ष बहुत ही अच्छा रहेगा। इस मौके पर हेड इ आर मृदुल भारद्वाज, सिविल से शशिकांत,डी पी सिंह, सतनाम सिंह, कैप्टन रोहित फरासी, दुबे, ए डी पांडेय, सदानंद पांडे,सूरज, जैनुल आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस द्वारा चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समस्त थानों की महिला पुलिसकमिच्यों व एन्टीरोमियो टीम द्वारा मंदिर, बाजारों, प्रमुख मागी, स्कूल/कॉलेजों आदि पर की जा रही चेकिंग महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत महिलाओं/बलिकाओं को किया जा रहा जागरूक बेवजह

घूमने वाले मनचलो/सोहदों की चेकिंग कर दी जा रही कड़ी चेतावनी शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं/बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान "मिशन शक्ति अभियान" चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनांक-01.08.2024 को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी/महिला बीट आरक्षियों/एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बीट/गांव/स्कूल/कॉलेज में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा ड्डमिशन शक्तिड्ड के सम्बन्ध में सभी बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक किया, उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन्हें मनचलों, अराजक तत्वों से निपटने तथा आत्मरक्षा करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षात्मक गुण सिखाये गये इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित विभिनन हेल्पलाइन नंबरों जैसे- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिनन योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया ।

थाना करमा पुलिस द्वारा दो नफर अन्तरप्रान्तीय अभियुक्तो के कब्जे से कुल 03 किलो 300 ग्राम नाजायज गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 31.07.2024 को समय लगभग 21.44 बजे थाना करमा पुलिस द्वारा जड़ेरुआ पुल के पास बहद ग्राम जड़ेरुआ में अभियुक्तगण 1.शाहजी चौहान पुत्र स्व0 शिवधनी चौहान निवासी ग्राम नौडिहा थाना चांद जनपद भभुआ (कैमूर) बिहार उम्र 48 वर्ष, 2.जोगेश्वर उर्फ जगेश्वर बिन्द पुत्र स्व0 ललू बिन्द निवासी ग्राम घाटमपुर थाना चैनपुर भभुआ कैमूर (बिहार) उम्र 45 वर्ष के कब्जे से कुल 03 किलो 300 ग्राम नाजायज गांजा की बरामदगी गिरफ्तार किया गया । उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 91/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण की न्यायिक अभिरक्षा स्वीकृत किये जाने हेतु आज दिनांक 01.08.2024 माननीय न्यायालय रवाना किया गया । **अभियुक्तगण विवरणः–** 01.शाहजी चौहान पुत्र स्व0 शिवधनी चौहान निवासी ग्राम नौडिहा थाना चांद जनपद भभुआ (कैमूर) बिहार उम्र लगभग 48 वर्ष । 02. जोगेश्वर उर्फ जगेश्वर बिन्द पुत्र स्व0 ललू बिन्द निवासी ग्राम घाटमपुर थाना चैनपुर भभुआ कैमूर (बिहार) उम्र लगभग 45 वर्ष **बरामदगी/गिरफ्तारी करने वाली टीमः–** 01उ0नि0 आशीष कुमार सिंह थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 02.हे0का0 अवनीश सिंह थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 03.हे0का0 रंगीले यादव थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 04.हे0का0 बृजेश यादव थाना करमा, जनपद सोनभद्र । 05 का0 दीपक पटेल थाना करमा, जनपद सोनभद्र।

विंध्याचल जल लेने निकले कांवरिया बम लगे जयकारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सावन के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक करने के लिए रावटसगंज नगर के अंबेडकर नगर स्थित बैजू बाबा धाम से कवर लेकर विंध्याचल जल लेने को निकला कांवरियों का जत्था नेतृत्व कर रहे दिलीप सिंह ने बताया कि रावटसगंज अंबेडकर नगर स्थित बैजू बाबा धाम परिसर में जलाभिषेक करने के लिए दर्जनों श्रद्धालुओं के साथ शुक्रवार को विंध्याचल धाम के लिए कावरियो का जाता रवाना हुआ है जो शीतला माता से जयकारे लगाकर विंध्याचल धाम के लिए निकलेगा वहीं सोमवार को पुणे जल लेकर रावटसगंज अंबेडकर नगर स्थित बैजू बाबा धाम शिवलिंग पर जलाभिषेक पर दिया जाएगा वहीं दिलीप सिंह ने बताया कि शिवालय में जलाभिषेक करने को मोहल्ले वासियों ने विंध्याचल धाम से जल लाकर चढ़ने को लेकर की पहल हर साल विंध्याचल माता के जल चड़ेंगे बैजू बाबा महादेव मंदिर पर इस मौके पर बृजलाल छोटू आशा देवी रेखा कन्हा श्याम बाबू रामबाबू महाराज छोटू नानू विजय लक्ष्मी देवी शिव कुमारी काजल रेशमा सुनीता संजना सीमा सहित दर्जनों श्रद्धालु मौजूद रहे।

एक पेड़ माँ के नाम महर्षि वेदव्यास उद्यान में हुआ रोपित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उरमौरा तेजनगर कालोनी में महर्षि वेदव्यास उद्यान के अनावरण के साथ एक पेड़ मां के नाम पौध रोपण कार्यक्रम सम्पनन हुआ । तेज बरसात के बावजूद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार के हाथों पीपल एवं अर्जुन का वृक्ष लगाया गया । पूर्व विधायक तीरथ राज ने भी पौधा रोपित किया। पूरे उद्यान में आम,पीपल,बेल,अर्जुन,आंवला, लगाया गया । महर्षि वेदव्यास उद्यान को साफ सुथरा और हरा भरा रखने का संकल्प वहां रहने वाले परिवारों ने लिया जिसमे श्यामा प्रसाद पांडेय , पवन मिश्रा,विनोद शर्मा, प्रिंस, ,हृदयेश मौर्या, रहे । पौध रोपण के कार्यक्रम का संचालन तेज नगर में ही रहने वाली साहित्यकार डॉ रचना तिवारी ने किया , ।एक पेड़ मां के नाम इस कार्यक्रम में संतोष पांडे,अमरनाथ सिंह, ,संतोष मौर्या, राकेश शरण मिश्रा ,दिलीप शुक्ला,राहुल सिंह ,राकेश पांडे, ज्ञानू सोनी,अशोक पाठक आदि उपस्थित रहे।

बासबल्ली के सहारे चल रही बिजली व्यवस्था आक्रोशित रहवासी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राबट्सगंज नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड11के एक बस्ती में विद्युत पोल न होने से बिजली आपूर्ति के लिए लगा वैकल्पिक बासबल्ली से आपूर्ति की जा रही है। आक्रोशित रहवासियों ने बिजली विभाग और जिला प्रशासन ,जनप्रतिनिधियों के विरोध में शुक्रवार को नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वही रहवासियों ने चेताया कि अविलम्ब बिजली के खम्भा लगाकर सप्लाई नहीं दी गयी तो हम सड़क जाम करने को बाध्य होंगे। का कहना है की बासबल्ली से एलटी लाइट की आपूर्ति साली की जा रही हैं। बांस बल्ली के सहारे किसी तरह विद्युत आपूर्ति हो रही थी। रहवासियों का कहना है की बारिश के दिनो में बास बल्ली टूट जाने से आपूर्ति गुल हो गयी है। इस बाबत विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। चेताया कि यदि अविलम्ब समस्या समाधान नहीं हुआ तो हम सड़क जाम करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन में रमेश केसरी ,छेदी प्रसाद ,प्रेमनाथ ,दशरथ ,पुष्पा ,उषा ,ललित ,अनीता देवी, मालती ,ललित ,डोली माधुरी देवी, गंगाजलि, पप्पू ,संजय घनश्याम चौरसिया पिंटू राजू राजकुमारी रामबाबू वैष्णवी प्रवीण रवि राम राकेश रामकिशन प्रह्लाद आदि लोग मौजूद रहे।

ससुराल आ रहे युवक को ट्रक ने रौदा हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सुकरी चौकी क्षेत्र के कुचल दिया हुई मौत।जानकारी के अनुसा आलोक उम्र 22 पुत्र शिव

चलावा चौराहे के समीप गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार आ रही विपरीत दिशा से ट्रक ने सड़क पार कर रहे एक 22 वर्षी युवक को कुमार गांव सेरवा थाना अदलहाट जो गुरुवार देर सब अपने ससुराल पतने से मिलने आ रहे थे कि सुकृत चौकी के समीप चलहवा चौक पर बाइक खड़ा करके सामने मिठाई के दुकान पर मिठाई लेने जा रहे थे इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार ट्रक में कुचल दिया आसपास के लोगों ने आनन फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वही परिजनों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व सादी हुई थी वह अपने शसुराल शुकृत चौकी क्षेत्र के शिरशिया ठकुराई के रंमपथरा गांव में आ रहे थे यह सूचना जब हम मौजूद पुलिस द्वारा उनके पतनी प्रीति को दी गई तो पूरे परिवार में मातम आ गया उधर पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

पिकप एव अन्य वाहनो मे अधिक सवारी बैठाकर लेजाने वाले वाहनो पर होगी विधिक कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अवगत करना है कि जनपद के विभिनन थाना क्षेत्रान्तर्गत मालवाहक वाहनों से अधिक संख्या में सवारियों को ले जाने का कार्य किया जा रहा है जिसके कारण आएदिन जनपद में दुर्घटनाएं होती रहती है । इसका संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर अधिक संख्या में सवारियों को ले जाने वाले मालवाहक वाहनों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 01.08.2024 को प्रभारी यातायात व एआरटीओ सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग के दौरान थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत 04 व थाना ओबरा क्षेत्रान्तर्गत 01 (कुल 05) पीकप वाहनों को सीज किया गया है तथा आगे भी इस तरह के वाहनों के विरुद्ध जो यातायात नियम का उलंघन करेंगे उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी।

स्पोर्ट्स

शुभमन गिल को सोशल मीडिया पर क्यों पड़ रही हैं गालियां हैरान करने वाली है वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने जिम्बाब्वे को चौथे टी20 मैच में 10 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ युवा टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त ले ली है।

टीम इंडिया की जीत के हीरो रहे यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल। लेकिन इस जीत के बाद शुभमन गिल सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर लताड़ा जा रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट खोकर 152 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने 15.2 ओवरों में जायसवाल और गिल की तूफानी पारियों के दम पर 156 रन बना 10 विकेट से मैच अपने नाम किया। जायसवाल 93 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं गिल 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इसलिए हो रही है आलोचना दरअसल, गिल की आलोचना इसलिए हो रही है क्योंकि कई लोगों का मानना है कि इस मैच में यशस्वी आसानी से अपना शतक पूरा कर लेते अगर गिल अपन फिफ्टी बनाने के लिए बड़े शॉट्स नहीं खेलते और यशस्वी को शतक बनाने का मौका देते तो। 14वें ओवर के बाद गिल 48 रनों पर थे और यशस्वी 83 रनों पर थे। यहां से भारत को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे और यशस्वी को शतक के लिए 17 रन चाहिए। वहीं गिल को अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 48 रन चाहिए थे।जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए चौथे टी20 मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में यशस्वी जायसवाल ने नाबाद 93 रन बनाए और कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 58 रनों की पारी खेली।लेकिन इस मैच के बाद सोशल मीडिया पर गिल की जमकर आलोचना हो रही है। गिल को मतलबी बताया जा रहा है और उनकी कप्तानी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। 15वें ओवर में गिल ने पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद दूसरी गेंद पर छक्का मारा। पांचवीं गेंद पर जायसवाल ने छक्का मार दिया। लेकिन जायसवाल का शतक बनाने का मौका खत्म हो गया था। इस ओवर में कुल 16 रन आए। अगले ओवर में गिल ने पहली गेंद पर एक रन लिया और दूसरी गेंद पर जायसवाल ने चौका मार भारत को जीत दिलाई। गिल हैं मतलबी इसी बात को लेकर गिल की आलोचना हो रही है। लोगों का मानना है कि टीम के पास जीत के लिए पर्याप्त ओवर थे और इसलिए बेहतर होता कि गिल, जायसवाल को अपना शतक पूरा करने का मौका देते। लोगों का मानना है कि गिल ने जानबूझकर जायसवाल का शतक नहीं होने दिया। इसी कारण उन्हें खराब कप्तान कहा जा रहा है।

एमएस धोनी के चेले को बाहर करेंगे गिल, इस खिलाड़ी की होगी वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम खेले हैं भारतीय क्रिकेट टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ चौथा टी20 आई थी। गिल ऋतुराज गायकवाड़ को बाहर कर रियान को मौका

ने शनिवार को जिम्बाब्वे को मात देकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त ले ली है। इस सीरीज का आखिरी मैच रविवार को खेला जाना है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया इस मैच में भी जीत हासिल कर दौरे का अंत शानदार तरह से करना चाहेगी। वहीं जिम्बाब्वे की कोशिश होगी कि वह जीत के साथ सीरीज का अंत करे। टीम इंडिया ने पहला मैच गंवा दिया था लेकिन फिर इस टीम ने दमदार वापसी की। जिम्बाब्वे युवा टीम इंडिया के सामने टिक नहीं सकी। आखिरी मैच में वह जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। वहीं टीम इंडिया के पास मौका है कि वो उन खिलाड़ियों को मौका जो इस दौरे पर नहीं मैच जीत सीरीज तो अपने नाम कर ली है लेकिन उसकी कोशिश होगी कि वह पांचवें मैच में जीत हासिल करे और दौरे का अंत जीत के साथ करे। दोनों टीमें रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में आमने-सामने होंगी और इस मैच में इस बात पर ध्यान होगा कि टीम इंडिया बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को मौका देती है या नहीं इस मैच में हार से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। ऐसे में बहुत संभावना है गिल और कोच वीवीएस लक्ष्मण उन खिलाड़ियों को मौका दे दें जो बेंच पर हैं। इसे देखते हुए रियान पराग की टीम में वापसी हो सकती है। पराग को पहले मैच में मौका मिला था लेकिन वह दो रन बनाकर आउट हो गए थे। दूसरे मैच में उनकी बैटिंग नहीं दे सकते हैं। गायकवाड़ शानदार बल्लेबाज हैं और उन्होंने अपनी टी20 खेलने की काबिलियत आईपीएल में चेनन्ई सुपर किंग्स से खेलते हुए दिखाई है मुकेश कुमार को मिलेगा मौका जहां तक गेंदबाजी की बात है तो मुकेश कुमार को मौका मिल सकता है। लेकिन सवाल ये है कि मुकेश अंदर आते हैं तो फिर बाहर क्यों जाएगा। आवेश खान लगातार खेल रहे हैं तो उन्हें बाहर भेजा सकता है। वहीं खलील अहमद भी बाहर जा सकते हैं। तुषार देशपांडे को चौथे मैच में ही डेब्यू करने का मौका मिला था। ऐसे में उनका बाहर जाने की संभावना नहीं दिख रही है।

सीरीज गंवाने के बाद फूटा सिकंदर रजा का गुस्सा, बल्लेबाजी गेंदबाजी नहीं इस चीज को ठहराया हार का जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 10

विकेट से मात दी। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निणय्य लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए टारगेट चेज कर लिया। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 53 गेंदों पर 93 रन और कप्तान शुभमन गिल ने 39 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। सीरीज गंवाने के बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने हार का असली कारण बताया। उन्होंने ना तो गेंदबाजी और ना ही बल्लेबाजी को इसका जिम्मेदार हराया। चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से मात दी। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया। सीरीज गंवाने के बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने हार का असली कारण बताया। उन्होंने ना तो गेंदबाजी और ना ही बल्लेबाजी को इस शर्मनाक हार का जिम्मेदार हराया। हार के बाद रजा ने कहा, मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा नम था और हमें लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहेगा, लेकिन जिस तरह से भारतीय टीम ने बल्लेबाजी की उससे 180 का स्कोर भी काफी नहीं होता। हम प्रत्येक खेल से बढ़ते और सीखते रहते हैं। मुझे लगता है कि आखिरी 5 ओवर में 8-10 रन ज्यादा बने। विकेट पर थोड़ी उछाल थी, इसलिए हमें पारी की शुरुआत में खुद पर लगाम लगानी पड़ी। रजा ने कहा, पारी के ब्रेक में भारी रोलर ने भारतीय टीम के लिए काम किया। रोलर के बाद यह एक अच्छा विकेट बन गया।

रोहित-विराट के रिप्लेसमेंट पर यशस्वी जायसवाल ने जो बोला वो दिल जीतने वाला है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे माने जा रहे हैं। उन्होंने बीते एक साल में जो प्रदर्शन किया उससे

काफी उम्मीदें जगी हैं। टेस्ट से लेकर वनडे और टी20 तक में यशस्वी का बल्ला जमकर चला है और यही कारण है कि विराट कोहली, रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास लेने के बाद जायसवाल को इनकी कमी पूरी करने वाला खिलाड़ी माना जा रहा है। जायसवाल हालांकि इतनी दूर के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उनकी करियर में आगे बढ़ने की प्रोसेस अलग है यशस्वी ने शनिवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए चौथे टी20 मैच में शानदार पारी खेली। यशस्वी ने 53 गेंदों पर 92 रनों की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 13 चौके और दो छक्के मारे। इस पारी के कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। अब टीम इंडिया को इन दोनों के विकल्प खोजने हैं। यशस्वी जायसवाल एक खिलाड़ी हैं जो टीम में आ सकते हैं। यशस्वी से जब इन दोनों के बारे में पूछा गया तो इस युवा बल्लेबाज ने बड़ी सरलता से इसका जबाव दिया और सभी का दिल जीत लिया। मैच के बाद जब यशस्वी से भारतीय टीम में उनके सफर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये उनके लिए काफी कुछ सीखना वाला रहा है। उन्होंने कहा, ठपिछले साल से, मेरे जीवन में काफी कुछ चीजें हुई हैं। ये अनुभव रहा है। मैं इसका लुत्फ ले रहा हूं। जाहिर है, कई बार जो आपके सामने होता है उसे कबूल करना मुश्किल होता है। आपको उससे बाहर निकलना होता है, यही जीवन है। मैं एक बार में एक ही चीज पर ध्यान देता हूं और हर पल का लुत्फ उठाना चाहता हूं। रोहित-विराट पर क्या बोले यशस्वी से जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के बारे मं पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इन दोनों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करना शानदार था। यशस्वी ने कहा, ठरोहित-विराट ने जो भारतीय क्रिकेट के लिए किया है वो शानदार है। एक ही ड्रेसिंग रूम का हिस्सा होना शानदार है। हम मैच दर मैच के हिसाब से खेलते हैं। एक बार में एक ही मैच पर ध्यान। मैं जब भी मैदान पर उतरता हूं तो मेरा ध्यान अपना बेस्ट देने पर होता है। मैं अपनी प्रोसेस पर फोकस कर रहा हूं।

विंबलडन को आज मिलेगी नई महिला चैंपियन, पिछले सात वर्ष में महिला सिंगल्स में 7 अलग-अलग चैंपियन बनीं

लंदन। बारबोरा क्रेजीकोवा और जैस्मीन पाओलिनी के बीच शनिवार को होने वाले फाइनल में कोई भी जीते, यह सुनिश्चित है कि विंबलडन को इस बार नई महिला चैंपियन मिलेगी। क्रेजीकोवा ने पीठ में दर्द के बावजूद विंबलडन में हिस्सा लिया। यही नहीं इस टूर्नामेंट से पहले वह इस सत्र में कुछ मैच में

ही जीत दर्ज कर पाई थी। इसलिए वह महिला सिंगल्स के फाइनल में पहुंचकर हैरान थी। यही हाल उनकी प्रतिद्वंदी और सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी का है। इन दोनों में से कोई भी खिलाड़ी इससे पहले विंबलडन के फाइनल में नहीं पहुंची थीं। पाओलिनी ने वर्तमान टूर्नामेंट से पहले ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाली इस प्रतियोगिता में जो तीन मैच खेले थे, उन सभी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। विंबलडन में पिछले सात वर्ष में महिला सिंगल्स में सात अलग-अलग खिलाड़ी चैंपियन बनी हैं। इनमें सेरेना विलियम्स भी शामिल है, जिन्होंने 2016 में यहां सातवीं बार खिताब जीता था। क्रेजिकोवा ने 2021 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था, लेकिन उन्होंने यह सोचा भी नहीं था कि वह विंबलडन के फाइनल में पहुंचेंगीं। उन्होंने कहा, 'मुझे काफी मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। मैंने वास्तव में इसकी कल्पना नहीं की थी कि मैं विंबलडन के फाइनल में जगह बनाऊंगी।' पाओलिनी 1968 में ओपन युग शुरू होने के बाद विंबलडन के सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी हैं। यह 2016 के बाद पहला अवसर है, जबकि कोई खिलाड़ी एक सत्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के फाइनल में पहुंची है। उन्होंने कहा, 'पेरिस के बाद यहां भी फाइनल में पहुंचना, सच कहूं तो मैंने इसकी आशा नहीं की थी। यह विशेष है।' पाओलिनी फ्रेंच ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार गई थी, लेकिन यहां वह किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

18 साल बाद फिर इरफान पठान ने यूनिस खान को बनाया खिलौन पाकिस्तानी दिग्गज हो गए बेबस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इरफान पठान भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं। वह भारत के पहले ऐसे तेज गेंदबाज हैं जिसने टेस्ट मैच मैं हट्रिक ली है। उन्होंने ये काम पाकिस्तान के खिलाफ कराची में पहले ही ओवर में किया था। उस मैच में इरफान ने एक बेहतरीन गेंद पर यूनिस खान को आउट किया था। यूनिस को उस गेंद के बारे में कुछ समझ नहीं आया था। इरफान ने 18 साल बाद एक बार फिर यूनिस को उसी तरह की गेंद पर आउट किया है। कराची में जनवरी 2006 में खेले गए टेस्ट मैच के पहले ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर पठान ने लगातार तीन विकेट लिए थे। उन्होंने चौथी गेंद पर सलमान बट, पांचवीं गेंद पर यूनिस खान और छठी गेंद पर मोहम्मद युसूफ को आउट किया था।इरफान पठान टेस्ट मैचों में भारत के लिए हैट्रिक लेने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने ये काम पाकिस्तान के खिलाफ साल 2006 में किया था। इस मैच में इरफान ने जिस तरह से यूनिस खान को आउट किया था कुछ इसी तरह से 18 साल बाद फिर इरफान ने यूनिस को उसी तरह से अपना शिकार बना पाकिस्तानी दिग्गज को निराश कर दिया। इरफान पठान और यूनिस खान एक बार फिर शानिवार रात को क्रिकेट की पिच पर उतरे। मौका था वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स के फाइनल का। इरफान इंडिया चैंपियंस के लिए खेल रहे थे तो यूनिस पाकिस्तान चैंपियंस के लिए। फाइनल में इरफान ने एक बार फिर यूनिस को उसी तरह की गेंद पर आउट किया जिस तरह से 2006 में ली गई हैट्रिक में आउट किया था। उस समय इरफान की इन स्विंगर यूनिस को छकाती हुई, उनके बल्ले को चकमा देकर पैड पर लगी थी। इरफान ने वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स के फाइनल में एक बार फिर यूनिस को इसी तरह की गेंद में फसाया। इरफान ने फिर ऑफ स्टंप के इनस्विंग गेंद फेंकी और फिर यूनिस चकमा खा गए। गेंद बल्ले और पैड के बीच से सीधे स्टंप पर जा लगी। यूनिस सिर्फ सात रन ही बना सके। पाकिस्तान चैंपियंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की और छह विकेट खोकर 156 रन बनाए। इंडिया चैंपियंस की टीम ने 19.1 ओवरों में पांच विकेट खोकर 159 रन बना मैच अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अंबाती रायडू ने 30 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली।

राशि फल

मेष कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स का नया हेड कोच कौन होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना पाई थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से नाता तोड़ लिया। उन्हें 2018 में दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने 2020 में एक बार फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाई थी। फाइनल में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को हराया था। सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच होंगे। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने पिछले आईपीएल के बाद बदलाव के संकेत दिए थे। मेगा ऑक्शन को ध्यान में रखते हुए यह सिर्फ शुरुआत हो सकती है। पोंटिंग का अनुबंध समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई

दिग्गज ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह मुख्य कोच के रूप में काम नहीं करेंगे। ऐसे में गांगुली अब इस पद को संभालेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना पाई थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से नाता तोड़ लिया था। उन्हें 2018 में दिल्ली का हेड कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने 2020 में एक बार फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गांगुली ने कहा, मुझे के लिए प्लान बनाना होगा। मैं एक बार दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल जीतना चाहता हूं। मेगा ऑक्शन अगले साल है और इसलिए मैंने अभी से योजना बनाना शुरू कर दिया है। रिकी पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स के कोच नहीं होंगे। मुझे फ्रेंचाइजी से बात करनी है और उनसे भारतीय कोचों पर नजर डालने के लिए कहना है। मैं मुख्य कोच बनूंगा। आइए देखें कि मैं कैसा प्रदर्शन करता हूं। 2018 में दिल्ली कैपिटल्स 8वें स्थान पर रही थी। में तीसरे, 2020 में रनर अप, 2021 में टीम ने क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी। आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स 5वें स्थान पर और लीग के 16वें सीजन में 9वें नंबर पर रही थी। आईपीएल के पिछले सीजन में दिल्ली छठे पायदान पर रही थी।

सम्पादकीय

गलती किसी की हो, अपराधी पुल ही होगा

बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। पता नहीं बिहार के ही एक जाने माने कवि आलोक रंजन को अपने गृह राज्य में पुलों के धड़ाधड़ गिरने का पूर्वाभास था या नहीं, परंतु टूटे हुए पुल नामक उनकी कविता की ये कुछ पंक्तियां बहुत मौजूं हो उठी हैं- वैसे तो इन दिनो देश में घटिया और जल्दबाजी में किए गए निर्माणों तथा उनके उद्घाटनों की राजनीतिक जल्दबाजी के चलते पुलों, इमारतों, छज्जों के गिरने, ध्वस्त होने और ऐसे अप्रत्याशित हादसों में जान गंवाने की घटनाएं अचानक से बढ़ गई हैं, लेकिन बिहार में जिस तरह एक माह से भी कम समय में विभिन्न नदी-नालों पर बने 13 पुल पुलिया गिरी है या गिर रही है, वह यही साबित करता है कि राज्य भ्रष्टाचार के पुल असली पुलों के मुकाबिल बहुत ज्यादा मजबूत हैं। ऐसे पुल, जिनके ध्वस्त होते जाने को लेकर किसी के माथे पर खास शिकन नहीं है। यानी पुल ही तो था, जो गिर गया। अब क्या करें का भाव। इसको लेकर मीडिया में बहुत हल्ला हुआ तो राज्य की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। ठेकेदारों पर कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। चूंकि बिहार में नीतीश सरकार कपड़ों की मानिंद अपना आवरण बदलती है, इसलिए सभी पाटिर्यां घटिया पुल निर्माण के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं। इसमें भी यह सावधानी बरती जा रही है कि उसी पुल के बारे में सरकार को कटघरे में खड़ा किया जाए, जिस वक्त आरोपी पार्टी सत्ता में रही हो। इस बीच राज्य सरकार ने गिरे हुए पुलों को फिर से बनाने का आदेश दे दिया है। बने अथवा निर्माणाधीन पुल क्यों गिर गए, इसकी जांच-वांच चलती रहेगी। मजबूर बिहारवासी फिर नावों के सहारे या तैर कर नदियां पार कर रहे हैं और अपनी किस्मत को कोस रहे हैं। दूसरी तरफ गैर बिहारवासियों के मन में खौफ समा गया है बिहार से गुजरता खतरे से खाली नहीं है। न जाने कौन सा पुल कब धंस जाए और कोई यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए। इस देश में प्राकृतिक आपदा, घटिया निर्माण, गलत डिजाइन आदि के चलते पुलों, भवनों का गिरना कोई नई बात नहीं है। दूसरे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं होती रहती है। क्योंकि निर्माण के हर टेंडर में भ्रष्टाचार एक अलिखित लेकिन अनिवार्य शर्त होती है, जो सार्वजनीन है। फर्क सिर्फ इतना होता है कई जगह भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी की लक्ष्मण रेखा के परे एक लोकलाज की अदृश्य रेखा भी होती है, जिसे ध्यान में रखकर इतनी सावधानी बरतने की कोशिश होती है कि सिर मुंडाते ही ओले न पड़ जाएं। ऐसे में बहुत सी इमारते और पुल निर्माण के कुछ बरस बाद टूटकर व्यवस्था पर भरोसा कायम रखते हैं। टूटने या गिरने की स्थिति में उनके उम्रदराज होने का वाजिब कारण बताया जा सकता है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहां 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल जिले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर जिले के सुल्तानगंज और खगड़िया जिले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था। पुल गिरने की इस तस्वीर को बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया पर साझा किया था और सरकार ने जांच के आदेश भी दिए थे। आगे क्या हुआ किसी को नहीं पता। यूं भारत में पुलों के बनने और उनके गिरते जाने का अपना इतिहास है, जो देश के सामाजिक और राजनीतिक ताने- बाने के बनने और बिगड़ने के समांतर निर्विकार भाव से चलता रहता है। यह भी हकीकत है कि आज देश में कई पुल ऐसे भी है, जो अंगरेजों के जमाने के है, लेकिन उम्र ढलने के बाद भी यातायात का बोझा ढो रहे हैं। पुल ध्वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हुए, जिसमें 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है।

उत्तराखंडः मानसून के साथ ही मंडराने लगा भूस्खलन का खतरा

भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है। भूस्खलन भारत के पर्वतीय क्षेत्र के बड़े हिस्से में सामान्य गतिविधियों में व्यवधान से लेकर बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि और विनाश के कारण जीवन और आजीविका के लिए खतरा पैदा करते हैं। हिमालय और भारत के अन्य पहाड़ी क्षेत्र भूस्खलन गतिविधियों से हर साल बड़े पैमाने पर प्रभावित होते हैं। अतीत में कट्रोपी-2017 (हिमाचल प्रदेश), लपटप प्रदेश), पंपारे-2017 (अरुणाचल प्रदेश), मिरिक-2015 (पश्चिम बंगाल), मालिन-2014 (पुणे), दसलगांव-2007 (महाराष्ट्र), वरुणावत पर्वत-2003 (उत्तराखंड), अंबूरी-2001 (केरल), मालपा भूस्खलन-1998 (उत्तराखंड) आदि घटनाओं के कारण जनधन धन की बहुत अधिक हानि हुई है। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भूकम्प के बाद भूस्खलन सबसे बड़ी त्रासदी है। भूकम्प तो कभी-कभी ही आते हैं। लेकिन भूस्खलन की मुसीबत हर साल की है। एक अनुमान के अनुसार भारत में लगभग 42 हजार वर्ग किमी या 12.6 प्रतिशत भूमि भूस्खलन की जद में है। इसमें से 18 हजार वर्ग किमी दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय सहित उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है और 14 हजार वर्ग किमी प्रभावित क्षेत्र उत्तर पश्चिम हिमालय (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर) में पड़ता है पश्चिमी घाटों और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 9 हजार वर्ग किमी और 1 हजार वर्ग किमी भूस्खलन का स्थानिक वितरण शेल-सैंडस्टोन-मेटासेडिमेंट्स द्वारा नियंत्रित होता है,जो विच्छेदित पहाड़ियों और घाटियों को उत्पन्न करता है। उत्तराखण्ड जैसे हिमालयी राज्य में हर साल भूस्खलन से भारी धन-जन की हानि होती है। इस पहाड़ी राज्य में औसतन सौ लोग हर साल इस आपदा में जानें गंवा बैठते हैं। कुछ लोग मकान तो कुछ खेती बाड़ी से हाथ धो बैठते हैं। भूस्खलन से बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय क्षति होती है जैसे कि मिट्टी के कटाव के कारण तलछट के निर्वहन में वृद्धि और जैसे कि शेल और सिल्टस्टोन, भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। बेडिंग प्लेन और ज्वाइंट सेट जैसे भूगर्भीय असंतुलन भी भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं। चूंकि हिमालय समुद्र से चले मानसून को रोकता है, इसलिए मानसून अपने अंदर की जलराशि को हिमालय पर ही उंडेल देता है। इसके अलावा बादल फटने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं जो कि भूस्खलन और त्वरित पुलवामा, पलक्कड़, मालाप्पुरम, दक्षिण सिक्किम, पूर्वी सिक्किम और को झिकोड में भूस्खलन का खतरा सब से ज्यादा है। राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा यह रिपोर्ट या एटलस 1988 से 2022 के बीच रिकॉर्ड किए गए 80,933 भूस्खलनों के आधार तैयार की गया है। रिपोर्ट के अनुसार 1988 से 2022 के बीच भूस्खलन की सबसे ज्यादा 12,385 घटनाएं मिजोरम में दर्ज की गई हैं। इसके बाद उत्तराखंड में होता है। इसलिए भूस्खलन के मामले में भी आम नागरिक और खास कर पहाड़ी क्षेत्र के लोग सजग रहें तो काफी हद तक जानमाल को बचाया जा सकता है। आपदा प्रबंधकों के अनुसार भूस्खलन की स्थिति में अशांत और व्यग्र रहने के बजाय शांत तथा सतर्क एवं जागरुक रहना जरूरी होता है। मानसून सीजन में मौसम केंद्र से जारी होने वाली भारी बारिश तथा दीर्घावधिक

घटनाओं की शुरुआत के साथ ही भूस्खलन का खतरा हिमालयी क्षेत्रों सहित देश के पहाड़ी इलाकों पर मंडराने लगा है। कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों में भूस्खलन सबसे अधिक मारक आपदाओं में गिना जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण जल आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि के साथ ही भूस्खलन आपदाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है हालांकि, भूकम्प जैसी आपदाओं में अभी तक सटीक और पर्याप्त समयावधि के लिए पूर्व चेतावनी तंत्र संभव नहीं हो सका है। लेकिन भूस्खलन के मामले में ऐसा नहीं है। इसलिए सटीक पूर्व चेतावनी से एक विश्वसनीय बचाव तंत्र अवश्य ही विकसित किया जा सकता है। नैनीताल, शिमला और जोशीमठ जैसे कई विख्यात नगर मानवीय हस्तक्षेप और दबाव के कारण पहले ही गंभीर खतरे में हैं इसलिए लगभग सभी पहाड़ी नगरों के लोगों को अत्यधिक सतर्कता की जरूरत है।भूस्खलन का खतरा दैवी आपदाओं से संबंधित विनाशकारी खतरों में अग्रणी गिना जाता है। हर साल मानव जीवन का नुकसान।हिमालय में भूस्खलन विभिन्न भूगर्भीय कारणों से हो सकता है, जिनमें टेक्टोनिक गतिविधि एक कारण है। विदित है कि हिमालय उत्तर की ओर यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट्स से टकरा रहा है। इस विवर्तनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप क्षेत्र में कई भ्रंश, मोड़ और जोर बनते हैं। इन भूगर्भीय संरचनाओं के साथ जमा भूगर्भीय ऊर्जा के अचानक बाहर निकलने से भूकंप और भूस्खलन हो सकता है। ऐसी हलचलें मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के आसपास ज्यादा अनुभव की गई हैं। हिमालय की विशेषता बेहद खड़ी ढलानों की है, जो भूस्खलन के लिए काफी संवेदनशील होती है। हिमालय के गर्भ में नाजुक चट्टानें हैं। जैसे शेल और मिट्टी, जो आसानी से प्रभावित और नष्ट हो जाती हैं। भारी वर्षा के साथ मिलकर, कमजोर या लूज मिट्टी वाली ढलानों पर जमा मलबा तेज वर्षा या वर्षा जल के दरारों में घुसने से नीचे खिसक या लुढ़क जाता है। ग्रेनाइट जैसी मजबूत चट्टानों की तुलना में कमजोर चट्टानें, बाढ़ आपदा का मुख्य कारण होती हैं। स्थानीय स्थलाकृति, भूमि उपयोग प्रथाओं और मानव हस्तक्षेप, जैसे कि वनों की कटाई और निर्माण गतिविधियां भी इस क्षेत्र में भूस्खलन की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हिमालय पर 30ष्ट से 45ष्ट के ढाल वाली पहाड़ियों पर 750 से लेकर 1000 मिमी के बीच वर्षा होने पर भूस्खलन अधिक होते हैं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा तैयार भारत का भूस्खलन मानचित्र या एटलस-2023, हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड की डरावनी तस्वीर दिखा रहा है। इस एटलस में हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट तक देश के 17 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को भूस्खलन-संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल किया है। इनमें उत्तराखंड के दो जिले रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल को सबसे ऊपर रखा गया है। यह एटलस उपग्रह से लिए गए चित्रों पर आधारित है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, राजौरी, त्रिशूर, 11,219, त्रिपुरा में 8,070, अरुणाचल प्रदेश में 7,689, जम्मू और कश्मीर में 7,280, केरल में 6,039 और मणिपुर में 5,494,जबकि महाराष्ट्र में भूस्खलन की 5,112 घटनाएं दर्ज की गई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सन् 1990 से लेकर 2022 तक भूस्खलन की घटनाओं में 19,316 लोगों की जानें गई हैं। एटलस के भूस्खलन जोखिम विश्लेषण में 147 जिलों में हिमाचल के 11 जिले शामिल हैं जिनमें भूस्खलन से सबसे अधिक खतरा मंडी जिले को बताया गया है। खतरे के हिसाब से इस जिले की रैंक 16वीं है। इसी तरह हिमालयी राज्यों में से जम्मू और कश्मीर के 14 जिले जोखिम की सूची में शामिल हैं। इनमें राजौरी देश का चैथा और पुंछ छठा सबसे अधिक भूस्खलन संवेदनशील जिला है। संवेदनशील जिलों की सूची में केरल के कुल 10 जिले हैं जिनमें 3 जिलों को सर्वाधिक जोखिम में रखा गया है। सावधानी और रोकथाम में ही सबसे सहज बचाव बारिश की चेतावनी को ध्यान से सना जाना चाहिए। यदि आपका घर मलबे से ढके इलाके से नीचे की ओर स्थित हो तो सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। चट्टान गिरने की आवाजों, मलबा खिसकने, पेड़ों के टूटने अथवा जमीन में पड़ने वाली दरारों अथवा किसी भी हलचल की आवाज को ध्यान से सुनें। रात के लिए एक बैटरी चालित टॉर्च हमेशा साथ रखें। अगर भूस्खलन हो रहा हो तो तत्काल रेस्क्यू टीम को बुलाएं तथा उनकी मदद करें। पेयजल बर्तनों, प्लास्टिक सहायता थैला तथा अनिवार्य दवाइयों के साथ तैयार रहें और क्षतिग्रस्त मकानों में घुसने से बचें। यदि आप नदी या नाले के पास रहते हों तो बाढ़ के पानी का ख्याल रखें, उन लोगों विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे तथा महिलाएं जिन्हें खास तौर पर सहायता की जरूरत है, की मदद करें। क्षतिग्रस्त मकानों, सड़कों आदि के पुनर्निर्माण के लिए स्थानीय प्राधिकरणों से सलाह मांगें।

संतुलन समय की जरूरत, प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति भविष्य के लिए आवश्यक

आबादी का गुण-अवगुण के आधार पर विश्लेषण होना जरूरी है। जनसंख्या को बोझ मानलेना निदान नहीं। एक तरफ संतुलन समय की जरूरत है, लेकिन दूसरी तरफ प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति को कायम रखना भविष्य की आवश्यकता है।पिछले कुछ वर्षों में हर?ओर आईवीएफ या आम भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी की छोटे-बड़े शहरों में हो रही वृद्धि, घटती प्रजनन दर, शहरी युवा विशेष तौर पर व्यावसायिक शिक्षा में दक्ष पीढ़ी की संतानोत्पत्ति के प्रति निरंतर बढ़ती अरुचि भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। मोटे अनुमान के अनुसार, दस वर्ष के भीतर भारत में आईवीएफ उद्योग लगभग पांच गुना?वृद्धि के साथ 370 करोड़ डॉलर के बराबर हो जाएगा, जो 2020 में 80 करोड़ डॉलर से भी कम था। इन तथ्यों से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि प्रजनन क्षमता में कमी आ रही है, बल्कि इसकी पृष्ठभूमि में संतानोत्पत्ति के प्रति बढ़ती अरुचि है। कॅरिअर के कारण बच्चे पैदा करना अभिजात्य वर्ग की प्राथमिकता में लगभग अंतिम छोर पर पहुंच गया है। इस प्रकार एक नए समाज की संरचना हो रही है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उपेक्षित एवं वंचित वर्ग संबंधी गणना तथा आंकड़ों के वैज्ञानिक संग्रहण को अपना लक्ष्य बनाया है। यह चौंकाने वाला है, क्योंकि विगत 30 वर्षों से 11 जुलाई (विश्व जनसंख्या दिवस) को जनसंख्या संबंधी बड़े-बड़े आयोजनों में नए विषयों के प्रति संकल्प लिए जाते रहे हैं। इनमें वंचित वर्ग उपेक्षित ही रह जाता था। लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र को उसका ख्याल आया है। इसके पीछे वर्तमान संदर्भ और भविष्य की जनसंख्या संबंधी कुछ अनुमान हैं। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, अगले पच्चीस वर्षों में दुनिया के मात्र एक तिहाई देशों (204 में से 49 देशों) में ही पर्याप्त तथा उच्च वर्ग में संतानोत्पत्ति से बेरुखी होने के कारण उपलब्ध संसाधनों पर धीरे-धीरे नियंत्रण बदल जाएगा, जो अभिजात्य वर्ग को मंजूर नहीं हो सकता है। विडंबना यह होगी कि सामर्थ्यवान के पास संतान नहीं और संतान वाले के की महिलाएं अपने व्यावसायिक जीवन की उन्नति और बच्चों के लालन-पालन की बढ़ती लागत के कारण संतान देर से या नहीं पैदा करती हैं। इस ऋणात्मक वृद्धि के कारण सृष्टि पर कई विषम प्रभाव भी पड़ेंगे। सामान्य तौर पर तो सीमित करने का लक्ष्य तय किया गया था, ताकि संतुलन कायम हो सके। वर्तमान परिदृश्य भविष्य में असंतुलन की आशंका को दर्शाता है। भारत में भी जनसंख्या स्थिरीकरण एक गंभीर चुनौती है। औसत आयु में वृद्धि, बेहतर

प्रजनन दर रहेगी, जो इस शताब्दी के अंत तक मात्र तीन प्रतिशत यानी 204 में से छह राष्ट्रों तक सिमट कर रह जाएगी। अनुमान के अनुसार, आबादी में वृद्धि मुख्यतः अफ्रीकी देशों में होगी। माना जाता है कि शताब्दी के अंत तक आधी आबादी अफ्रीकी राष्ट्रों में पैदा होगी। इसके साथ ही प्रजनन की प्रवृत्ति मूलतः निमन मध्यवर्ग तक सीमित रह जाएगी, जिससे भविष्य में व्यापक वर्गभेद होने की आशंका है, क्योंकि आबादी में निमन आय वर्ग की संतानों की बहुतायत होने पास संसाधन नहीं। आशंका यह भी है कि प्रजनन के अभाव में अनेकानेक विकसित राष्ट्रों में अप्रवासी और शरणार्थी भारी संख्या में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या असंतुलन का एक विशिष्ट उदाहरण है दक्षिण कोरिया और नाइजीरिया की वर्तमान स्थिति। पिछले कुछ वर्षों में जहां दक्षिणी कोरिया में ऋणात्मक प्रजनन दर रही है, वहीं नाइजीरिया में प्रजनन दर लगभग प्रति महिला सात बच्चों की पाई गई है। ऐसे में संसाधनों का पुनः बंटवारा होना लाजिमी है। कोरिया आबादी की कमी से सहज एवं सुगम जीवन की प्रत्याशा रहती है, किंतु इस कमी के कारण किंचित महत्वपूर्ण व्यवसाय यथा कृषि अत्यधिक प्रभावित होंगे, जिससे खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण आदि पर असर पड़ेगा। कम आबादी से लोगों का व्यावसायिक रुझान श्रम विहीन, तकनीकी कौशल, शोध आदि की ओर होगा। आशंका है कि घटती आबादी भू-राजनीतिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भी जन्म देंगी। इसी कारण 1994 में जनसंख्या वृद्धि को 2.1 बच्चे प्रति महिला तक चिकित्सा सुविधाओं, संसाधनों की उपलब्धता के चलते अगले कुछ वर्षों में संख्यात्मक वृद्धि तो दिखेगी, किंतु वास्तविक रूप में प्रजनन दर निरंतर घटती जा रही है। आशंका है कि शताब्दी के अंत तक प्रजनन दर मात्र एक बच्चा प्रति महिला तक सीमित हो जाएगी। अतः आवश्यक है कि आबादी का गुणावगुण के आधार पर विश्लेषण हो न कि महज जनसंख्या को बोझ मानकर। संतुलन समय की आवश्यकता है, तो प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति को कायम रखना भविष्य की आवश्यकता।

जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध

वैज्ञानिक पत्रिका 'एटमॉस्फीयरिक एनवायरमेंट' में फरवरी 2021 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबी) विश्वविद्यालय

और भारतीय प्रौद्योगिकी कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर की सक्रियता को मापा है। इस साल का मॉनसून लगभग सारे भारत में छा गया है और इसके साथ ही बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने एवं बादल फटने जैसी मानसून संबंधी आपदाओं का खतरा भी विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में मंडराने लगा है। चूंकि मौसम विभाग ने इस साल समान्य से अधिक गर्मी का पूर्वानुमान लगाया था जिसका कटु अनुभव हो ही गया और अब सामान्य से अधिक वर्षा की भविष्यवाणी को हमने 28 जून को दिल्ली में हुई रिकार्ड अतिवृष्टि से सच होती हुई भी देख लिया है। लेकिन इससे भी अधिक डरावनी आशंका बादल फटने की घटनाओं की है जो कि हर साल खास कर हिमालयी राज्यों और पश्चिमी घाट जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में कहर बरपाती है। विशेषज्ञ बादल फटने की घटनाओं को वनागिन से जोड़ कर देख रहे हैं। चूंकि इस साल देश में और खास कर हिमालयी राज्यों में वनागिन की घटनाएं कुछ ज्यादा ही हुई हैं इसलिए बादल फटने का खतरा भी उतना ही बढ़ा है, इसलिए आपदा प्रबंध तंत्रों को चैबीसों घण्टे सजग रहने की जरूरत है वैज्ञानिक पत्रिका 'एटमॉस्फीयरिक एनवायरमेंट' में फरवरी 2021 में प्रकाशित एक शोध के अनुसार जंगल की आग और बादलों के फटने की घटनाओं का करीबी संबंध है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबी) विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर की सक्रियता को मापा है। साथ ही उन्होंने पहली बार मध्य हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र के रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में मौसम की विभिन्न स्थितियों के प्रभाव में अधिक ऊंचाई वाले बादलों के निर्माण और स्थानीय मौसम की घटनाओं की जटिलता पर इसके प्रभाव का अध्ययन किया है। इन वैज्ञानिकों के अध्ययन से पता चला है कि बादल की छोटी बूंदों के आकार के बराबर कण जिस पर जलवाष्प संघनित होकर बादलों का निर्माण करती है, उनमें और जंगल की आग की घटनाओं के बीच गहरा सम्बन्ध है। इन छोटे कणों को क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर (सीसीएन) के नाम से जाना जाता है। शोध से पता चला है कि जंगल में लगने वाली आग की घटनाओं के समय ऐसे कणों की मात्रा चरम पर थी। वैज्ञानिकों ने एचएनबी विश्वविद्यालय के स्वामी राम तीर्थ (एसआरटी) परिसर में स्थित हिमालयन क्लाउड ऑब्जर्वेटरी (एचसीओ) में छोटी बूंदों को मापने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक (डीएमटी) सीसीएन काउंटर की मदद से इन क्लाउड कंडेनसेशन न्यूक्लियर को मापा गया था, जोकि अतिसंतृप्ति (एसएस) की मौजूदगी में कोहरे या बादल की बूंदों के रूप में सक्रिय और विकसित हो सकते हैं।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!
HOSTEL FACILITY
★ AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
★ Quality food
★ Personal care
★ 24/7 power backup
★ Special tuition classes for hostelers
★ Free health checkup per month.
★ Infirmary faciliti is also available
★ Well equipped laboratories and digital Library
पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट
Admissions OPEN
PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)
SCHOOL FACILITIES
★ Affordable fee & High-tech infrastructure.
★ Spacious and colorful classrooms.
★ Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
★ Free personality development.
★ English spoken classes for each student.
★ RO water and CCTV facilities.
★ Pick and drop facilities with full safety.
★ Trained PE Teacher along with
★ Spacious playground
Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)
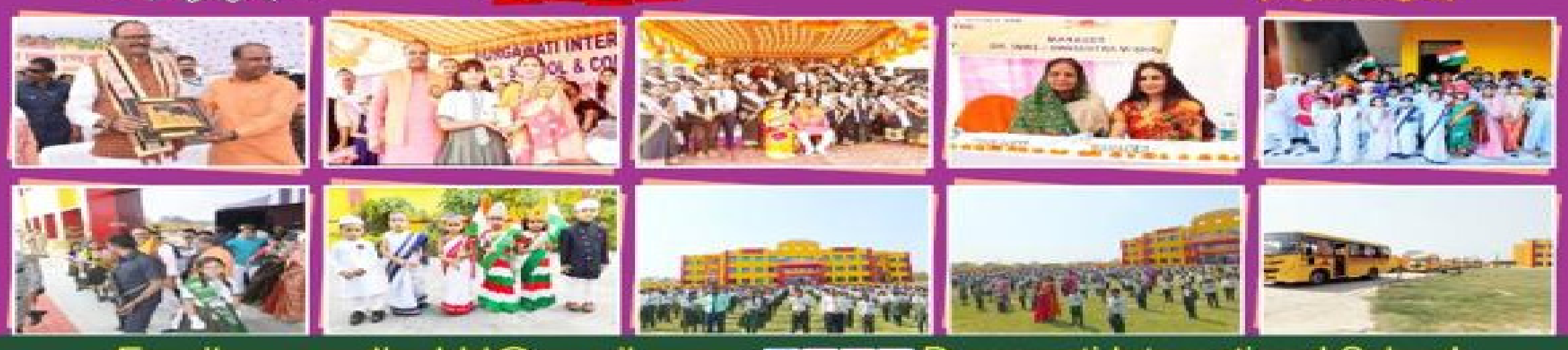
Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

भगवान शिव और मां पार्वती की आराधना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है- बीके हनुमान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि सावन माह में देवों के देव महादेव की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। इस माह के सोमवार को व्रत रखने का भी विधान है। मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है। वहीं सावन माह में आने वाली शिवरात्रि पर भोलेनाथ की पूजा करना और भी शुभ होता है। हिंदू धर्म में इस दिन को बेहद शुभ माना जाता है। इस साल 22 जुलाई 2024 से सावन माह की शुरुआत हुई है। इसी दिन से कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है, जो 2 अगस्त 2024 सावन शिवरात्रि के दिन समाप्त होगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन शिवरात्रि पर कांवड़िए शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाते हैं। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक करना बेहद शुभ होता है, इससे महादेव प्रसनन होते हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृध्दि बनी रहती है। इस दौरान कुछ लोग घर पर ही रुद्राभिषेक करते हैं, सावन शिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करने से पहले पूजा स्थल को साफ कर लें। फिर घर के किसी शांत वाले स्थान पर पूजा की व्यवस्था करें और सभी सामग्रियों को एकत्रित कर लें।

इसके बाद आप शिवलिंग को स्थापित करें। ध्यान रखें पूजा के लिए बैठते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। रुद्राभिषेक पूजा विधि शुरू करने से पहले गणेश जी का ध्यान करें। फिर भगवान शिव से अपनी मनोकामना व्यक्त करते हुए उनकी पूजा करें। अब शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, शर्करा और गंगाजल से अभिषेक करें। इस दौरान वेद मंत्रों जैसे रुद्राष्टाध्यायी का जाप या तो स्वयं करें। अभिषेक के बाद शिवलिंग पर चावल, फूल, बेलपत्र, धतूरा, और भांग चढ़ाएं। अंत में फल अर्पित करें और आरती करते हुए शंखनाद करें। रुद्राभिषेक मंत्र ॐ नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च ? ईशानः सर्वविद्यानामीश्व रः सर्वभूतानां ब्रह्माधिपतिर्ब्रह्मणोऽधिपति ब्रह्मा शिवो मे अस्तु सदाशिवोय् ? तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि। तनने रुद्रः प्रचोदयात? अघोरेभ्योथघोरेभ्यो घोरघोरतरेभ्यः सर्वेभ्यः सर्व सर्वेभ्यो नमस्ते अस्तु रुद्ररुपेभ्यः ? वामदेवाय नमो ज्येष्ठाय नमः श्रेष्ठाय नमो रुद्राय नमः कालाय नमः कलविकरणाय नमो बलविकरणाय नमः बलाय नमो बलप्रमथनाथाय नमः सर्वभूतदमनाय नमो मनोन्मनाय नमः ? सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय वै नमो नमः । भवे भवे नाति भवे भवस्व मां भवोद्भवाय नमः ? नमः सायं नमः प्रातर्नमो रात्र्या नमो दिवा । भवाय च शर्वाय चाभाभ्यामकरं नमः ? यस्य निःश्वसितं वेदा यो वेदेभ्योखिलं जगत् । निर्ममे तमहं वन्दे विद्यातीर्थ महेश्वरम् ? त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिबर्धनम् उर्वारूकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मा मृतात् सवी वै रुद्रास्तस्मै रुद्राय नमो अस्तु । पुरुषो वै रुद्रः सन्महो नमो नमः विश्वा भूतं भुवनं चित्रं बहुधा जातं जायामानं च यत् । सवी ह्येष रुद्रस्तस्मै रुद्राय नमो अस्तु ।

महिला उद्यमी ने नोएडा पुलिस पर लगाए एक तरफा कार्रवाई का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। मीडिया क्लब में मुनमुन सिंह (वूमेन एंटरप्रेन्योर) ने प्रेस वार्ता कर नोएडा पुलिस कमिशन्र की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाया है। दरअसल नोएडा में स्टार्टअप कंपनी लगाने वाली महिला उद्यमी ने बताया कि लगातार पुलिस में शिकायत करने के बाद भी अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। और वह लगातार पिछले चार महीना से

प्रताड़ना चल रही है उन्होंने बताया कि एसीपी डीसीपी व नोएडा कमिशन्र लक्ष्मी सिंह से भी इस पूरे मामले को लेकर मिल चुकी है। मगर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। क्या है पूरा मामला। प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुनमुन सिंह ने बताया कि उन्होंने 2 साल की रिसर्च के बाद प्रोडक्ट तैयार किया था। बता दे स्टार्टअप कंपनी मल्टी लेवल कार पार्किंग सिस्टम बनती है। उन्होंने कहा कि बलविंदर सिंह और मैंने साथ मिलकर नोएडा मे 3-5 साइड भी सूरजपुर इंडस्ट्रियल एरिया मे दीपक कुमार गोड और राहुल शर्मा से कंपनी 4 लाख 18 हजार महीना किराये पर ली और इसके लिए 10 नवंबर को 14 लाख एडवांस उन्हें ट्रांसफर कर दिए। 20 नवंबर को फैक्ट्री हमे हैंडोवर करने को कहा मगर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद बचा हुआ फैक्ट्री की मरम्मत का काम मैंने अपने पैसे से कराया। आगे उन्होंने कहा कि अब जबरन हमसे फैक्ट्री खाली करने और हमारी मशीन हड़पने की कोशिश की जा रही है। हमारे पास कोर्ट का स्टे आर्डर है। मैं अपनी मशीन देखने जब फैक्ट्री गई तो दूसरे लोग भी वहां पहुंच गए और हमारे साथ हाथापाई की जब पुलिस को मौके पर पहुंची तो एक तरफा कार्यवाही करते हुए। मेरे बिजनेस पार्टनर बलविंदर सिंह पर 151 की कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया । जबकि इसमे दूसरे पक्ष का दूसरे पक्ष से किसी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मेरा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और नोएडा कमिशन्र से अनुरोध है कि इस विषय में मेरी मदद की जाए। साथ उन्होंने कहा कि क्या मैं इसीलिए नोएडा में फ्लैट खरीदा था नोएडा में व्यवसाय शुरू किया था कि मुझे इतनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

बॉलीवुड/टेली मसाला

वह आदमी है', महिला खिलाड़ी की नाक तोड़ने वाले प्रतिद्वंद्वी पर बरसीं कंगना रनौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस वक्त फ्रांस में चल पेरिस ओलंपिक 2024 पर हर किसी की निगाहें टिकी हुई हैं। भारतीय खिलाड़ियों की जीत पूरा देश मना रहा है। हालांकि, इस बार पेरिस ओलंपिक कुछ कारणों से विवादों में भी घिर गया है। बीते दिन गुरुवार को इटली की एंजेला कैरिनी और अल्जीरिया की इमान खलीफ के बीच बॉक्सिंग का मुकाबला हुआ, जिसमें मात्र 46 सेकंड में ही इमान खलीफ ने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजेला को हरा दिया। इतना ही नहीं, इमान खलीफ ने अपनी प्रतिद्वंद्वी की नाक भी तोड़ दी।मंडी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में एंजेला कैरिनी और इमान खलीफ के बीच हुए बॉक्सिंग मुकाबले को गलत बताया है। उनका कहना है कि मुक्केबाजी का ये मुकाबला महिला वर्सेज महिला नहीं बल्कि वुमन का 7 फीट के आदमी के साथ था। इतना ही नहीं कंगना ने जेंडर चेंज करवाने और समलैंगिकता पर भी अपने विचार रखे। अब हाल ही में अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने इस मैच को अनफेयर बताया है और इसी के साथ उन्होंने कहा है कि एक महिला का मुकाबला एक आदमी से करवाया गया है। क्या है ये पूरा मामला चलिए जानते हैं- अपनी हर बात को बड़ी बेबाकी से रखने वाली कंगना रनौत ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के बॉक्सिंग रिंग के अंदर की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, इस लड़की को 7 फीट के आदमी के साथ लड़ना पड़ा, जिसकी पैदाइश पुरुष के रूप में हुई है। उसके बॉडी के सभी पार्ट्स आदमियों वाले थे, उसका बर्ताव और लुक दोनों पुरुषों वाले हैं। वह महिला को बॉक्सिंग मैच में वैसे मार रहा था, जैसे घर पर पुरुष एक महिला को मारता है। हालांकि, वह खुद को महिला बताता है, इसलिए आप खुद अंदाजा लगा लीजिए कि ये बॉक्सिंग मैच किसने जीता है? समाज सुधार का दावा करना बहुत ही गलत है और इसको बढ़ावा नहीं देना चाहिए। जाग जाइए, इससे पहले कि आपकी बेटियों की नौकरी और मेडल उनसे छीन लिए जाएठ। कंगना ने हैशटैग 'सेव वुमन स्पोर्ट्स' भी लिखा। कंगना रनौत यहीं पर शांत नहीं हुईं, उन्होंने आगे एक पोस्ट में समलैंगिकता पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा और बताया कि उनके कई दोस्त ऐसे हैं जो होमोसेक्शुअल हैं। एक्ट्रेस ने लिखा, ठजब आप होमोसेक्शुअल रिश्ते(सेम जेंडर) में होते हैं, तो एक पार्टनर फीमेल का एक पार्टनर मेल का पार्ट प्ले करता है। वह एक आदर्शवादी मेल और फीमेल की छवि बनाते हैं, लेकिन साथ ही वह नारीवाद के नाम पर महिलाओं पर हावी होने की कोशिश करते हैं। ये कुछ अजीब है सच कहूं तो मेरे कुछ दोस्त हैं, जो सेम सेक्स के हैं और वह मेरे काफी करीब हैं, सच कहूं तो वह बहुत ही टैलेंटेड हैं और बहुत ही शानदार काम करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें किसी की स्वीकृति की जरूरत नहीं पड़ती हैठ। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनस्पेसिफाइड जेंडर एलिजिबिलिटी टेस्ट में फेल होने की वजह से खलीफ को वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था।

मिर्जापुर एक्टर दिव्येंदु शर्मा ने शेयर की दिल की बात, बोले- 'पहाड़ में हर काम आराम से होता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मिर्जापुर के फेमस मुनन भैया यानी दिव्येंदु शर्मा एक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं नाम है लाइफ हिल गई। इसकी शूटिंग के लिए एक्टर इन दिनों उत्तराखंड की वादियों में अपना समय बिता रहे हैं। इसमें उनके साथ फेमस यूट्यूबर और एक्ट्रेस कुशा कपिला नजर आएंगी। सीरीज में वो कुशा के भाई देव का किरदार निभाते नजर आएंगे। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में दिव्येंदु ने पहाड़ों पर अपनी जिंदगी और स्लो लाइफ स्टाइल पर बात की। लाइफ हिल गई एक्टर ने अपने कैरेक्टर पर बात करते हुए कहा, देव के साथ उनकी एकमात्र समानता यह है कि दोनों बड़े शहरों से हैं। उस किरदार के लिए खुद को ढालना कठिन होता है क्योंकि पूरी जिंदगी आप एक ही तरीके से जीते हैं। फिर आप यहां आते हैं और अचानक ऐसे लोगों से मिलते है जहां आपका स्वभाव उनकी किसी भी चीज से ज्यादा मेल नहीं खाता है। आपको पता है, पहाड़ में हर काम आराम से होता है। सब हो जाएगा। अपनी इस बात को और आगे बढ़ाते हुए दिव्येंदु ने कहा, पहाड़ के लोग अपना समय लेते हैं। वो पहले तो 15 मिनट आपकी बात सुनेंगे फिर आपको 5 मिनट देखेंगे कि ये करना भी है कि नहीं फिर जब आप कहेंगे कि भाईसाहब हां, करना है। तब वो आगे बढ़ते हैं। 'लाइफ हिल गई' एक भाई-बहन की कहानी है, जहां उनके दादाजी उन्हें पहाड़ों में बने एक बेकार को होटल को फिर से नया बनाने का चैलेंज देते हैं। इसे पूरा करने की होड़ में ये भाई-बहन एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी बन जाते हैं। फिल्म में दिव्येंदु और कुशा कपिला के अलावा विनय पाठक और मुक्ति मोहन भी हैं। वहीं कबीर बेदी इनके दादाजी के किरदार में नजर आएंगे। यह सीरीज 9 अगस्त से डिजनिहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

स्टंट और एक्शन तो मेरा फैमिली बिजनेस है', एक्शन डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने खोले अपने दिल के राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हवा में उड़ती महंगी गाडि़यां और कॉमेडी के साथ शानदार एक्शन, फिल्मकार रोहित शेट्टी की यह पहचान बन चुकी है। फिल्म निर्माण के अलावा वह पिछले दस वर्षों से स्टंट रियलिटी शो फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी की मेजबानी भी करते आ रहे हैं। इसके 14वें सीजन में एक बार फिर बतौर मेजबान वह प्रतिभागियों से स्टंट करवा रहे हैं। आगामी दिनों में उनकी सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म सिंघम अगेन भी प्रदर्शन की कतार में हैं। रोहित से उनके शो, स्टंट और सिंघम अगेन समेत कई विषयों पर बातचीत :हवा में उड़ती महंगी गाडि़यां और कॉमेडी के साथ शानदार एक्शन फिल्मकार रोहित शेट्टी की यह पहचान बन चुकी है। फिल्म निर्माण के अलावा वह पिछले दस वर्षों से स्टंट रियलिटी शो फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी की मेजबानी भी करते आ रहे हैं। रोहित शेट्टी ने उनके शो स्टंट और सिंघम अगेन समेत कई विषयों पर बातचीत की। दस वर्षों में बतौर मेजबान क्या बदलाव आए हैं? प्रतिभागियों द्वारा आपकी फिल्मों में काम मांगे जाने पर क्या प्रतिक्रिया होती है जवाब- पिछले दस वर्षों में शो और बतौर मेजबान मुझमें बहुत से अच्छे बदलाव आए हैं। मामला बहुत अपग्रेड हुआ है। रही बात मेरे साथ काम करने की इच्छा रखने वाले कलाकारों के काम मांगने की, तो अभी तक ऐसा कभी हुआ नहीं है। शो में आए प्रतिभागी शो से संबंधित बातचीत करते हैं। कुछ कलाकार जो मेरी फिल्म में काम कर चुके हैं, उन्होंने भी यह शो किया है। ऐसा नहीं होता कि हर बार सब आकर सीधा मेरे साथ फिल्म में काम करने की बात करें। 2.एक्शन और स्टंट से जुड़ाव कब शुरू हुआ जवाब- बचपन से ही मेरा एक्शन और स्टंट से जुड़ाव रहा है। मेरे पिता जी स्टंट डायरेक्टर थे, तो बचपन से ही इसकी तरफ झुकाव रहा है। (हंसते हुए) यही मेरा फैमिली बिजनेस है। ऐसा नहीं कि मुझे अचानक से ख्याल आया कि मुझे स्टंट्स और एक्शन में कुछ करना है। मैंने बचपन में ही तय कर लिया था कि मुझे एक्शन निर्देशक बनना है।कभी एक्शन हीरो बनने या अभिनय करने का ख्याल भी मन में आया जवाब- इस इंडस्ट्री में काम करते हुए 30 साल हो गए, अब वो सब कहां से सोचेगा आदमी। शुरू में भी कभी कैमरे के सामने एक्शन करने का मन नहीं किया। (हंसते हुए) मुझे तो ऐसे कोई प्रस्ताव भी नहीं मिलते हैं। अभिनय करने के मामले में मैं ये शो कर लेता हूं, विज्ञापनों में काम कर लेता हूं। उतने से ही मैं खुश हूं। 4.खतरों के खिलाड़ी करने के बाद किसी अन्य शो से बतौर मेजबान या जज नहीं जुड़े, प्रस्ताव तो आते ही होंगे? जवाब- दरअसल, होता ये है कि हम हर साल ये शो करते हैं। बाकी के चैनल और रियलिटी शो निर्माताओं को यह पता है कि मैं यह शो करता हूं। दूसरे शो पर मैं बतौर मेहमान चला जाता हूं। तो दूसरे शो के मेजबानी के आफर नहीं आते हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि मैं खतरों के खिलाड़ी शो की मेजबानी करता हूं। (हंसते हुए) और अब इस तरह के (एक्शन और स्टंट्स वाले) दूसरे शो बनते भी नहीं। 5.वर्तमान में अखिल भारतीय (पैन इंडिया) फिल्मों का खूब चलन है, अच्छी लोकप्रियता होने के बावजूद आपने इस लेबल के अंतर्गत कोई फिल्म नहीं प्रदर्शित की?जवाब- ऐसा कभी सोचा नहीं, यह बात मेरे मन में आई ही नहीं। अब तक मेरी 17 फिल्में हो चुकी हैं, लेकिन अभी दिमाग में ऐसा कुछ आया नहीं कि इन्हें क्या लेबल करूं। पैन इंडिया करूं या नहीं करूं। सच बताऊं तो उसकी कोई विशेष वजह भी नहीं है। आगे भी ऐसा कुछ सोचा नहीं है। 6.सिंघम अगेन 15 अगस्त को प्रदर्शित होने की खबरें थी, फिर इसकी प्रदर्शन तिथि आगे क्या बढ़ाई गई जवाब- अपनी फिल्म के प्रदर्शन के लिए हमने 15 अगस्त की आधिकारिक घोषणा कभी नहीं की थी। वो मीडिया द्वारा बनाई गई थी। हमारी शूटिंग अब जाकर खत्म हुई है। हमारी फिल्मों के साथ ऐसा कभी नहीं होता है कि तय शेड्यूल से ज्यादा आगे पीछे हो। हमारी योजना हमेशा से यही थी कि खतरों के खिलाड़ी शो शूट करने के बाद हम अपनी फिल्म का आखिरी शेड्यूल शूट करेंगे। रिलीज को लेकर हमारी योजना यही थी कि जब सभी बड़े सितारों के हिस्से की शूटिंग पूरी हो जाएगी, तो हम इसकी रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा करेंगे। अंततः हमने दीवाली पर अपनी फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा की।.अक्षय समेत कुछ बड़े सितारों की फिल्में लगातार असफल होने से अब स्टारडम के प्रभाव पर भी सवाल उठ रहे है, वर्तमान स्थिति को आप कैसे देखते हैं जवाब- अगर हम हिंदुस्तान के सिनेमा का इतिहास देखें, हम पाएंगे कि इस तरह का दौर आता-जाता रहता है। ऐसे में ये कहना गलत होगा कि अब स्टार्स नहीं चलेंगे, सिर्फ छोटी फिल्में चलेंगी। ये तो समय का एक चक्र है, एक दौर है, जो आता-जाता रहता है। ये दौर आया है, चला जाएगा, फिर वापस एक नया दौर आएगा।

क्रूर किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले एक्वामैन स्टार जेसन मोमोआ की पॉपुलर फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जेसन मोमोआ जाने-माने अमेरिकी अभिनेता, मॉडल, फिल्म निर्माता और निर्देशक हैं। उन्होंने सिंडिकेट एक्शन ड्रामा सीरीज बेवॉचः हवाई से जेसन लोएन के तौर पर डेब्यू किया था। उन्होंने पॉपुलर वेब सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में खैल ड्रोगो एक डोथॉर्की का किरदार निभाया था, जिसकी शादी डेनेरीस टार्गेरियन से होती है। जेसन की कुछ चर्चित फिल्में। जेसन मोमोआ को उनके पॉपुलर कैरेक्टर एक्वामैन और गेम ऑफ थ्रोन्स के किरदार खैल के लिए जाना जाता है। एक्टर खुद को मूवीज में दबंग की तरह पेश करना पसंद करते हैं। जेसन को कोनन द बारबेरियनजस्टिस लीगबैटमैन वर्सेज सुपरमैन एक्वामैन और फास्ट्र जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। आज आपको जेसन मोमोआ के ऐसे ही कुछ फेमस किरदारों के बारे में बताएंगे। जस्टिस लीग 2017 अमेरिकी सुपरहीरो फिल्म है, जो इसी नाम की डीसी कॉमिक्स सुपरहीरो पर आधारित है। इस फिल्म के जरिए जेसन मोमोआ ने सुपरहीरो की दुनिया में डेब्यू किया था। फिल्म को जैक सनइडर ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में उन्होंने आर्थर करी/ एक्वामैन का किरदार निभाया था। फिल्म में बेन एफलेक, हेनरी कैविल और गैल गेडोट नजर आए थे। स्लमबरलैंड एक युवा लड़की की कहानी है, जिसके पिता की मौत हो जाती है। इसकी वजह से उसको अपने अंकल के साथ रहना पड़ता है। यहां वो एक सीक्रेट मैप डिस्कवर करती है, जो ड्रीमवर्ल्ड स्लम्बरलैंड को जाता है। फिल्म को फ्रांसिस लॉरेंस ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में मोमोआ लड़की को अपने पिता से मिलाने में मदद करता है।जेसन को सबसे ज्यादा लोकप्रियता एक्वामैन बनकर मिली। इसकी पहली फिल्म 2018 में आई थी। फिल्म में उनके साथ एम्बर हर्ड फीमेल लीड थीं। इसका सीक्वल एक्वामैन एंड लॉस्ट किंगडम 2023 में रिलीज हुई थी।फिल्म में एम्बर हर्ड, पैट्रिक विल्सन, याह्या अब्दुल-मतीन घ्, और रान्डेल पार्क भी नजर आए। इस फिल्म को आप जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। फिल्म अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली और मराठी भाषा में उपलब्ध है। ये एक अमेरिकन एक्शन फिल्म है, जिसे वाल्टर हिल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई थी जिसमें मोमोआ के अपोजिट लीजेंड्री सिल्वेस्टर स्टेलोन नजर आए। फिल्म में उन्होंने कीगन की भूमिका निभाई थी। कीगन एक भ्रष्ट बिजनेसमैन के लिए काम करता है, जो कई सारे मर्डर का आदेश देता है। इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ब्रेवन साल 2018 में रिलीज हुई एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन लिन ओडिंग ने किया है। माइक निलोन और थॉमस पा'आ सिबेट ने इसकी कहानी लिखी है। फिल्म में जेसन मोमोआ, गैरेट डिलाहंट और जिल वैगनर मुख्य किरदार में नजर आए। फिल्म की कहानी एक लॉगर के बारे में है जो अपने परिवार को खतरनाक ड्रग तस्करों के समूह से बचाता है। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

आसिम के साथ हुई लड़ाई पर अभिषेक कुमार ने रखा अपना पक्ष बोले- 'दिख गई थी उनकी जलन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी का शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' इस समय काफी लाइमलाइट में बना हुआ है। शो शुरू होते ही आसिम रियाज और अभिषेक कुमार के बीच में तीखी बहस देखने को मिली, जिसके बाद आसिम ने शो बीच में ही छोड़ दिया। फिर कुशाल टंडन से लेकर शिल्पा शिंदे तक ने इस पर अपने रिएक्शन दिए। अब अभिषेक ने अब इस स्टोरी पर अपना पक्ष रखा है। अभिषेक ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल यूट्यूब पर एक व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 14' के कंटेस्टेंट के रूप में अपने अनुभव शेयर किया है और साथ ही आसिम रियाज के साथ अपनी लड़ाई पर चर्चा भी की है। खतरों के खिलाड़ी 14 ऑन एयर हो गया है। शो शुरू होते ही यह अब सुखिर्यों में भी आ गया है और इसके लाइमलाइट में आने की वजह आसिम रियाज और अभिषेक कुमार की लड़ाई थी जिसके बाद आसिम ने शो को अलविदा कह दिया। अब इस लड़ाई पर कंटेस्टेंट अभिषेक कुमार ने अपना पक्ष रखा है। अभिषेक कुमार ने अपने व्लॉग में सभी कंटेस्टेंट के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने शो में स्टंट किए। फिर उन्होंने अपने साइड की स्टोरी भी बताई। अभिषेक ने कहा कि शो में जितना दिखाया गया न वो पूरा नहीं दिखाया गया। इसके आगे खतरों के खिलाड़ी 14 कंटेस्टेंट ने कहा कि बहुत सारी चीजें हुई थी। फ्लाइट से लेकर रोमानिया में शूट तक जब से हमने फ्लाइट ली। इसके बाद शूट तो हमारा तीन-चार दिन बाद शुरू हुआ था। वो तो पांचवें और छठे दिन तक का शूट था। उसमें मुझे पहले ही जेलेसी फैक्टर दिख गया था।इसके आगे अभिषेक ने कहा कि मुझे उनकी तरफ से ये दिख गया था कि ये लड़का आगे कैसे बढ़ गया। भाई जलन की बात है किस्मत की बात है, जलन तो किसी के साथ किसी की नहीं होनी चाहिए। उसकी जलन मुझे वहीं दिख गई थी।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान पत्रकार के सवाल पर जॉन अब्राहम को आया गुस्सा, बोले - आपने फिल्म देखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम बहुत जल्द फिल्म 'वेदा' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म एक्शन और थ्रिलर से भरी हुई है। 'वेदा' से जॉन अब्राहम पर्दे पर बतौर हीरो वापसी कर रहे हैं। हालांकि फिल्म को सर्टिफिकेट को लेकर अभी क्लियरेंस नहीं मिला है। हाल ही में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जॉन अब्राहम से एक जर्नालिस्ट ने ऐसा सवाल पूछ दिया कि एक्टर नाराज हो गए। उनके जवाब में ये बात साफ झलक रही है। दरअसल प्रेम कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार उनसे सवाल करता है कि देखने में आ रहा है लगातार आप एक ही तरीके का रोल कर रहे है। ज्यादातर एक्शन तो कुछ नया लेकर आइए ना। जॉन ये सवाल सुनकर भड़क जाते हैं और कहते हैं - आपने फिल्म देखी है क्या मैं कह सकता हूं कि ये खराब सवाल है और बेवकूफ हो? पहले आप फिल्म देखिए और उसके बाद जज कीजिए। फिर जो भी आप कहेंगे, मैं सुन लूंगा। ये फिल्म अलग है। मेरे हिसाब से तो यह एक बहुत ही इंटेंस परफॉर्मेस है जो मैने किया है। बिल्कुल, आपने फिल्म देखी नहीं है। जल्दबाजी में कोई फैसला मत लीजिए।' यह पूरा मामला वेदा के ट्रेलर लॉन्च पर सवाल-जवाब सेशन के दौरान हुआ। फिल्म की कास्ट के अन्य सदस्य भी इस दौरान मौजूद थे। इसके बाद गर्म माहौल में पल में हंसी का तड़का लगाते हुए,जॉन ने चुटकी लेते हुए कहा,ठलेकिन अगर आप गलत है,तो मैं आपको पलट कर अलग कर दूंगा इसके बाद उन्होंने वेदा की थीम को और क्लियर करते हुए कहा कि ये सिर्फ एक एक्शन फिल्म ही नहीं बल्कि एक इमोशनल फिल्म भी है।

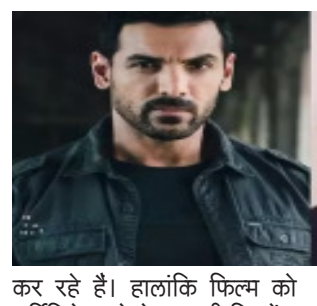

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।